वार्षिक रिपोर्ट 2013–2014

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान – भारत

मुख्य पृष्ठः युवा नवप्रवर्तक रिया, नीमरन, मेहर एवं काम्या, नई दिल्ली का साइकिल आधारित क्लीनर

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान – भारत

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार की एक स्वायत्तशासी संस्था

आमुख

डॉ आर ए माशेलकर – अध्यक्ष, रानप्र
नेशनल रिसर्च प्रोफेसर, एवं
अध्यक्ष, ग्लोबल रिसर्च एलायंस

रा.न.प्र. के लिए हर नया साल, नए कीर्तिमान, नई चुनौतियाँ और ऐसे नए मानकों के आविष्कार का वर्ष है, जिनको सामने रख कर उन्हें आँका जाए। जब संगठनों को कार्य–निष्पादन तथा जवाबदेही के नए मानक विकसित करने हों, जिनके लिए दुनिया में पैमाने के रूप में समकक्ष कर्मचारियों के उदाहरण न मौजूद हों तो, तो वे न्यूनतम मानदंडों का सहारा नहीं ले सकते हैं। उन्हें अपने कार्य–निष्पादन को मापने के लिए नए मैट्रिक्स का आविष्कार करना होगा। रा.न.प्र. ने प्रारंभिक बिंदु के रूप में रचनात्मक लोगों की बढ़ती आकांक्षाओं और उन्हें पूरा करने के लिए उपलब्ध बहुत सीमित संसाधनों के बीच बढ़ती खाई को पाटने का निर्णय लिया है। उसने हनी बी नेटवर्क के स्वयंसेवकों पर निर्भर रहना जारी रखा है। उनके समर्पण ने अक्सर बिना किसी या बहुत ही कम लागत में भारी सामाजिक संसाधन जुटाने में रा.न.प्र. की मदद की है। रा.न.प्र. में बेहद कम इकाई लागत पर विभिन्न गतिविधियों के संचालन का यही राज है। लेकिन इसका मतलब यह भी है कि रा.न.प्र. के सभी कर्मचारियों और सहयोगियों को स्वयं काफी कड़ी मेहनत करनी पड़ती है।

कई बार, संगठन अपनी रीति–नीति भुला बैठते हैं और साधन तथा प्रयोजन के बीच भ्रमित हो जाते हैं। वे असंख्य आम जनता और स्वयंसेवकों के दशकों तक जारी संघर्ष के योगदान को भूल जाते हैं। रा.न.प्र. की टीम को अपनी विनम्रता, सह–शासन और सादगी को बनाए रखना होगा ताकि कई वैज्ञानिकों, प्रौद्योगिकीविदों, डिजाइनरों, उद्यमियों, और हनी बी नेटवर्क के गुमनाम और अक्सर अनजाने खोजी मित्रों से हर प्रकार का समर्थन पाने लायक बने रहना जारी रख सकें।

राष्ट्रपति भवन के रिहायशी कार्यक्रम में नवप्रवर्तन विद्वान को रा.न.प्र. का सतत समर्थन प्राप्त है। तृणमूल नवप्रवर्तकों और पिछले इग्नाइट पुरस्कार के एक स्कूली छात्र विजेता की राष्ट्रपति भवन द्वारा इस कार्यक्रम के तहत मेजबानी की जाएगी। राष्ट्रपति भवन परिसर में नवप्रवर्तन प्रदर्शनी ने कई नीति निर्माताओं और आम जनता को आकर्षित किया। इग्नाइट प्रतियोगिता में देश भर के स्कूली बच्चों से 21,000 से अधिक प्रविष्टियाँ प्राप्त हुईं। पिछले वर्ष की भाँति डॉ ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने इग्नाइट विजेताओं को सम्मानित किया और उन्हें नई उम्मीदें और नई प्रतिबद्धताओं के साथ चारों ओर हनीबी नेटवर्क की भावना का प्रसार करने के लिए प्रोत्साहित किया।

मुझे आशा है कि वर्ष के दौरान रा.न.प्र. द्वारा प्रवर्तित नई साझेदारी और नई पहल की पाठक सराहना करेंगे। विभिन्न नवप्रवर्तनों और उत्कृष्ट पारंपरिक ज्ञान के वास्तविक मूल्य का तभी प्रयोग किया जा सकता है जब वह आम जनता के पास पहुँचे। रा.न.प्र. की टीम को नई योजनाएँ बनाने का प्रयास करना होगा, नई प्रक्रियाओं का आविष्कार करना होगा और तृणमूल नवप्रवर्तनों के प्रसार के लिए नए विशिष्ट प्रयोजन वाली योजनाओं को बनाना होगा। नवप्रवर्तन के विभिन्न पहलों को और आगे ले जाने के लिए रा.न.प्र. की टीम को मेरी शुभकामनाएँ।

आर.ए. माशेलकर

प्रस्तावना

अनिल के गुप्ता
कार्यकारी उपाध्यक्ष, रानप्र, अहमदाबाद
प्रोफेसर, भारतीय प्रबंध संस्थान
अहमदाबाद

रा.न.प्र. ने अपने प्रति बढ़ती सामाजिक अपेक्षाओं और उपलब्ध संसाधनों की कमी के बावजूद अपना संघर्ष जारी रखा है। उसे लगातार स्वयं को बदल कर नयापन लाना है और नए तरीकों की पहचान करना है जिसे डॉ. आर. ए. माशेलकर, अध्यक्ष, रा.न.प्र. 'असंख्य के लिए कम से अधिक पाना' कहते हैं। मितव्ययी नवप्रवर्तकों के साथ काम करते हुए, वह अपनी कार्य–प्रणाली में मितव्ययिता के बहुत उच्च मानकों को प्राप्त करने में सफल रहा है, जो हनी बी नेटवर्क की शानदार सामाजिक पूँजी का लाभ उठाने की क्षमता का परिणाम है। असंख्य वैज्ञानिकों, प्रौद्योगिकीविदों और निर्माताओं ने लोगों के ज्ञान/नवप्रवर्तनों के प्रमाणीकरण और मूल्य वर्धन के लिए रा.न,प्र. से शुल्क नहीं लिया है। इससे बड़ी संख्या में नवप्रवर्तकों और उत्कृष्ट पारंपरिक ज्ञान धारकों के समर्थन के लिए सीमित धन का उपयोग करने में रा.न.प्र. को मदद मिली है।

मितव्ययी, तृणमूल हरित नवप्रवर्तकों को समर्थन देने की इस मितव्ययी यात्रा में निर्माताओं, डिजाइनरों के अतिरिक्त विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद तथा असंख्य अन्य निजी विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान अत्यंत उपयोगी रहे हैं। रा.न.प्र. उनके उदार और उपयोगी योगदान के प्रति अपना गहन आभार अभिलिखित करना चाहता है।

भारत रचनात्मक आम लोगों की परवाह करता है– राष्ट्रपति पहल

भारत के माननीय राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी ने हरित तृणमूल नवप्रवर्तन आंदोलन को अत्यंत प्रोत्साहित किया है। उन्होंने केंद्रीय विश्वविद्यालय और एनआईटी की अपनी यात्रा के दौरान नवप्रवर्तन क्लबों, नवप्रवर्तनों पर प्रदर्शनियों का उद्घाटन करने, और नवप्रवर्तकों को शैक्षिक समुदाय के साथ जोड़ने का निर्णय लिया है। 10 मई, 2013 को बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ में राष्ट्रीय नवप्रवर्तन क्लब के उद्घाटन के साथ माननीय राष्ट्रपति ने हर विश्वविद्यालय और कॉलेज में इस तरह के राष्ट्रीय नवप्रवर्तन क्लब खंडों को स्थापित करने के लिए शैक्षिक समुदाय का आह्वान किया। इन क्लबों का उद्देश्य औपचारिक और अनौपचारिक क्षेत्र को जोड़ते हुए स्थानीय नवप्रवर्तकों को हाथ पकड़ कर समर्थन प्रदान करना है। प्राथमिक रुप से क्लबों का उद्देश्य चार कार्य अर्थात् खोज, प्रसार, नवप्रवर्तनों का जश्न मनाना और अपूरित सामाजिक जरूरतों को समझना। अगर हर क्लब अपने भीतर विभिन्न प्रकार को नवप्रवर्तनों की खोज करे, तो निश्चित रूप से रचनात्मक, स्वतः–सक्रिय, स्वतः–प्रेरित लोगों के प्रति सम्मान बढ़ेगा। हनी बी डेटाबेस, रा.न.प्र. के वेबसाइट और अन्य स्रोतों से भी नवप्रवर्तनों के प्रसार से प्रयोगात्मक और नवप्रवर्तक भावना सुदृढ़ होगी। वर्गों में नवप्रवर्तकों को आमंत्रित करते हुए नवप्रवर्तनों का जश्न मनाने से युवा छात्र प्रेरित होंगे और उन्हें मितव्ययिता, उदारता और रचनात्मकता के बारे में जानने में मदद मिलेगी। समाज की अपूरित जरूरतों को पहचानना क्लबों का एक अत्यंत महत्वपूर्ण लक्ष्य है। यदि सभी छात्र अपूरित सामाजिक जरूरतों का ढाँचा तैयार करें, तो भावी नवप्रवर्तनों को खोजने के लिए एक नया बुनियादी प्रोत्साहन मिलेगा। इसके अलावा, संस्थागत जड़ता के लिए कम से कम एक कारण नहीं होगा कि 'हमें पता नहीं था'।

11 दिसंबर, 2013 को, अपने जन्मदिन पर माननीय राष्ट्रपति ने राष्ट्रपति भवन में लेखकों, कलाकारों और नवप्रवर्तन विद्वानों के लिए एक रिहायशी कार्यक्रम का शुभारंभ किया। यह तृणमूल नवप्रवर्तन आंदोलन में एक नया आयाम जोड़ेगा। राष्ट्रपति भवन में उनके प्रवास के दौरान माननीय राष्ट्रपति उन्हें प्रेरित करने के लिए उनके साथ बातचीत करेंगे। इन नवप्रवर्तक विद्वानों को राष्ट्रीय नवप्रवर्तन क्लबों के माध्यम से तलाशी गई अपूरित सामाजिक जरूरतों को पूरा करने की चुनौती भी दी जा

सकती है। भारत के माननीय राष्ट्रपति ने 7 मार्च, 2014 को राष्ट्रपति भवन एस्टेट, नई दिल्ली में राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रदर्शनी का उद्घाटन भी किया।

5 अप्रैल, 2013 को माननीय उपराष्ट्रपति श्री मोहम्मद हामिद अंसारी ने रा.न.प्र. की टीम के साथ एक बैठक में, वैश्विक स्तर पर तृणमूल नवप्रवर्तन की गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया। माननीय उपराष्ट्रपति ने तृणमूल नवप्रवर्तनों के व्यापक प्रचार–प्रसार के लिए राज्यसभा टेलीविजन के मंच का उपयोग करने का सुझाव दिया, जो रा.न.प्र. को तृणमूल नवप्रवर्तकों तथा छात्रों के विचारों के दोहन और नवप्रवर्तन में भी मदद कर सकती है।

नवप्रवर्तकों को सम्मान, मान्यता और पुरस्कार देना

31 वीं शोध यात्रा गर्मियों में महाराष्ट्र के वर्धा जिले और 32 वीं शोध यात्रा सर्दियों के दौरान पंजाब के जालंधर जिले में आयोजित की गईं। दोनों स्थानों में, व्यक्तियों और स्थानीय समुदायों द्वारा विकसित कई नवप्रवर्तक समाधान खोजे गए। कुछ लोगों को उनके समुदाय के सामने उन्हीं के दर पर सम्मानित किया गया, ताकि उनसे दूसरे लोग प्रेरणा ले सकें। विदर्भ क्षेत्र में यात्रा के दौरान, यह देखा गया कि बारिश के पानी के संरक्षण के लिए अत्यधिक अवसर उपलब्ध होने के बावजूद, बहुत कम कार्रवाई की गई है। पंजाब में हरित क्रांति अत्यधिक समृद्धि ले आई, लेकिन बच्चों में भी नशीली दवाओं के लत की व्यापक समस्या का समाज की सांस्कृतिक राजधानी पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ा है।

13वें इग्नाइट राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह में कुल 44 छात्र नवप्रवर्तकों को माननीय डॉ ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के हाथों उनके रचनात्मक विचारों और नवप्रवर्तनों के लिए सम्मानित किया गया। ये छात्र देश के 17 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 25 जिलों से थे और भाग लेने वाले हजारों के समूह के बीच में से उनका चयन किया गया था।

कड़ी जोड़ना, सामाजिक पूँजी का लाभ उठाना

रा.न.प्र ने भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद द्वारा 17 नवंबर, 2013 को पुणे में समावेशी विकास के लिए सामाजिक नवप्रवर्तन पर पहली राष्ट्रीय संगोष्ठी के आयोजन का समर्थन किया। पुणे इंटरनेशनल सेंटर, पुणे, अंतर्राष्ट्रीय दीर्घायु केंद्र, भारत, सृष्टि और हनी बी नेटवर्क ने भी इसके आयोजन में आई.आई.एम.ए. को सहयोग दिया। सामाजिक जड़ता पर काबू पाने की रणनीति से सबक सीखने के अलावा, इसके पीछे विचार प्रौद्योगिकीय नवप्रवर्तनों के व्यापक प्रसार में विभिन्न सामाजिक नवप्रवर्तकों के लिए समर्थन की संभावनाओं का पता लगाना था।

रा.न.प्र. ने नवप्रवर्तनों पर कार्य योजना तैयार करने में विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों की मदद करने के लिए एक कार्यशाला संचालित करने हेतु कार्य–निष्पादन प्रबंधन प्रभाग, मंत्रिमंडल सचिवालय के साथ भागीदारी की। उसने राष्ट्रीय नवप्रवर्तन क्लब शुरू करने और माननीय राष्ट्रपति की यात्रा के दौरान नवप्रवर्तन प्रदर्शनियों का आयोजन करने में विभिन्न केंद्रीय विश्वविद्यालयों की भी मदद की।

वर्ष के दौरान, रा.न.प्र., टी.के.डी.एल. भारत के प्रारंभिक विरोध के बावजूद टाइफॉइड के इलाज के लिए एक हर्बल सूत्रीकरण के उपयोग हेतु झारखंड के एक आदिवासी चिकित्सक को संयुक्त राज्य अमेरिका से पेटेंट दिलवाने में सफल रहा। पुनः यह दर्शाता है कि जमीनी स्तर पर समुदायों को वैश्विक महत्व का काफी ज्ञान है।

रा.न.प्र. ने तृणमूल नवप्रवर्तकों और परंपरागत ज्ञान धारकों, तथा छात्रों के लिए अवसरों का विस्तार जारी रखा है। पूर्वोत्तर राज्यों और जम्मू और कश्मीर सहित देश के विभिन्न भागों में सामुदायिक निर्माण कार्यशाला के गठन तथा समर्थन के माध्यम से समावेशी विकास के लक्ष्य का अनुसरण किया गया। रा.न.प्र के खोज और प्रलेखन के

समर्थन के लिए नए नागरिक समाज के कलाकारों के क्षमता सृजन हेतु कई संगोष्ठियों का आयोजन किया गया।

एक बहुत ही प्रतिष्ठित गाँधीवादी ग्रामीण शिक्षा और विकास संस्था, ग्राम भारती, अमरापुर के साथ अनुबंध के परिणामस्वरूप, रा.न.प्र. ने ग्रामीण दूरदराज के इलाकों के करीब जाने के लिए अपनी कई गतिविधियों को वहाँ स्थानांतरित किया। ग्राम भारती के साथ सृष्टि और हनी बी नेटवर्क का दीर्घकालिक संबंध इस नई साझेदारी को गढ़ने की कोशिश में बहुत मददगार साबित हुआ।

कृषि अनुसंधान, ग्रीन हाउस प्रयोग, प्रमाणीकरण और जमीनी स्तर पर ज्ञान और नवप्रवर्तनों में मूल्य संवर्धन पर सृष्टि–सद्भाव–संशोधन प्राकृतिक उत्पाद प्रयोगशाला के साथ सहयोग जारी रहा।

रा.न.प्र. की टीम ने अपनी असाधारण निष्ठा और समर्पण के माध्यम से रचनात्मक समुदायों की सेवा में उत्कृष्टता प्राप्त करना जारी रखा। अकसर अपने कर्तव्य की सीमा से परे जाकर काम करने के लिए मैं उन सबको बधाई देता हूँ। उदाहरण के लिए, एक मामले में रा.न.प्र. ने एक नवप्रर्वतक को शासकीय निकाय से अपने नवप्रवर्तन समाधान की आपूर्ति के लिए एक बड़ा आदेश प्राप्त करने में मदद की। लेकिन नवप्रर्वतक ने पहले कभी अपने दम पर इतने बड़े पैमाने पर निर्माण कार्य नहीं सँभाला था। रा.न.प्र. के कर्मचारी नवप्रर्वतक के साथ बने रहे, आपूर्तिकर्ताओं, निर्माताओं का पता लगाया और संपूर्ण निर्माण शृंखला तैयार की तथा आदेश के एक हिस्से को पूरा करने में मदद की। नवप्रवर्तकों का हाथ पकड़ कर समर्थन देते हुए नवप्रर्वतकों का क्षमता सृजन रा.न.प्र. के डीएनए का एक प्रमुख अंश रहा है।

मैं अध्यक्ष, डॉ. आर.ए. माशेलकर को उनके सतत मार्गदर्शन और अक्सर विभिन्न पहल शुरू करने के लिए सदा उत्साहयुक्त समर्थन के लिए धन्यवाद देता हूँ। डॉ. विपिन कुमार, निदेशक और मुख्य नवप्रवर्तन अधिकारी, रा.न.प्र ने न केवल राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान को, बल्कि देश के समग्र समावेशी नवप्रवर्तन आंदोलन को एक अनुकरणीय नेतृत्व प्रदान किया है। रा.न.प्र. के अनुभव से सीखने की वैश्विक दिलचस्पी अत्यधिक बनी हुई है। कई प्रतिनिधिमंडलों ने रा.न.प्र. का दौरा किया और संस्थान की मुक्त संस्कृति से सीखा है। मुझे उम्मीद है कि रा.न.प्र. के कामकाज में सन्निहित हनी बी नेटवर्क की संस्कृति और मूल्य, एक भी नायाब विचार को हाथ से जाने न देने की भारत की इच्छा को बनाए रखेंगे।

मैं यह भी आशा करता हूँ कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार और राज्य सरकार के सभी सहकर्मी, हमारे देश के रचनात्मक समुदायों की बढ़ती आकांक्षा को पूरा करने में रा.न.प्र. के हाथ मजबूत करने में अपना योगदान जारी रखेंगे।

न बादल सकुचाएँ, न हवाएँ थम जाएँ
जीवनदायी सहृदय बारिश की बूँदें बरसाएँ
अंकुरित हों उस धरा पर भी विचार
जो है बरसों से उपेक्षित, बे–विचार
युवा, बुजुर्ग सबके मन मस्तिष्क
परस्पर सहयोग की भावना से हों चालित
ताकि हाशिये पर पड़े उन सृजनों–विचारों के लिए
भारत बन जाए उम्मीदों की मशाल
नहीं हैं जो सीमांत मस्तिष्क विश्वभर में

अनिल कुमार गुप्ता

निदेशक का संदेश

विपिन कुमार
निदेशक और मुख्य नवाचार अधिकारी

वर्ष 2013–14 को कई नई पहलों ने चिह्नित किया है, जहाँ राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान – भारत से देश में नवप्रवर्तन को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण व्यापक भूमिका निभाने की अपेक्षा की गई थी। रा.न.प्र. ने विभिन्न विभागों में नवप्रवर्तन कार्य योजनाएँ आरंभ करने में मदद के लिए कार्य–निष्पादन प्रबंधन प्रभाग, मंत्रिमंडल सचिवालय की सहायता की। राष्ट्रपति भवन के कहने पर, उसने राष्ट्रीय नवप्रवर्तन क्लबों की स्थापना और विश्वविद्यालय में माननीय राष्ट्रपति के दौरे के समय नवप्रवर्तन प्रदर्शनियों के आयोजन में केंद्रीय विश्वविद्यालयों को सहयोग दिया। राष्ट्रपति भवन के प्रारंभिक नवप्रवर्तन विद्वान रिहायशी कार्यक्रम में भी रा.न.प्र ने मदद की।

रा.न.प्र., नवप्रवर्तन मूल्य शृंखला के विभिन्न वर्गों को संयोजित करते हुए, पिछले कुछ वर्षों से विकसित हो रहा है। नवप्रवर्तन को पोषित करने के लिए विचारों, नवप्रवर्तनों और परंपरागत ज्ञान को संग्रहित करने हेतु खोज और प्रलेखन पर प्रारंभिक रूप से ध्यान केंद्रित करना आवश्यक था। अब वाणिज्यिक और गैर–वाणिज्यिक चैनलों के माध्यम से प्रमाणीकरण और मूल्य संवर्धन, बौद्धिक संपदा संरक्षण और नवप्रवर्तक प्रौद्योगिकियों के प्रसार से संबंधित गतिविधियों को मूल्य शृंखला में और आगे ले जाने के मामले को अधिक दृढ़ता के साथ उठाया जा रहा है। इसे हासिल करने के लिए, रा.न.प्र. देश भर में कई विषयों और कार्यक्षेत्रों से संबंधित असंख्य संस्थाओं और संगठनों के साथ साझेदारी कर रहा है। बहुत कुछ किया है और अभी भी बहुत कुछ करना वांछित है, तथापि, संगठन अपने लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में, बेरोकटोक अपने रास्ते पर आगे बढ़ने के लिए कृत संकल्प है। रा.न.प्र. एक समावेशी और नवप्रवर्तन राष्ट्र होने की आकांक्षा साकार करने में मदद के लिए सभी के समर्थन का स्वागत करता है।

मैं हमारे अध्यक्ष, डॉ. आर. ए. माशेलकर और कार्यकारी उपाध्यक्ष प्रोफेसर अनिल गुप्ता तथा अन्य शासी बोर्ड के सदस्यों को धन्यवाद देना चाहता हूँ, जिन्होंने समय–समय पर हमें प्रेरणा और मार्गदर्शन प्रदान किया। सचिव और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अन्य अधिकारियों के समर्थन के प्रति भी आभार व्यक्त करता हूँ। रा.न.प्र तथा हनी बी नेटवर्क सहयोगियों की हमारी टीम भारत को नवप्रवर्तक बनाने के मिशन में अपनी कड़ी मेहनत और योगदान के लिए अत्यधिक सराहना के पात्र हैं।

सभी को मेरी शुभकामनाएँ

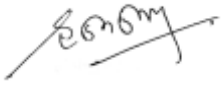

विपिन कुमार

शासी मंडल

डॉ. आर ए माशेलकर – अध्यक्ष
नेशनल रिसर्च प्रोफेसर,
राष्ट्रीय रासायनिक प्रयोगशाला,
डॉ. होमी भाभा रोड, पुणे – 411008

प्रो. अनिल के गुप्ता – कार्यकारी उपाध्यक्ष
भारतीय प्रबंध संस्थान
वस्त्रापुर, अहमदाबाद – 380015

सुश्री इलाबेन भट्ट – सदस्य
संस्थापक, सेवा (स्वाश्रयी महिला सेवा संघ)
सेवा रिसेप्शन सेंटर, विक्टोरिया गार्डन के सामने,
भद्रा, अहमदाबाद – 380001

डॉ. वी एल केलकर डीएसटी नामित – सदस्य
ऐ 701 ब्लॉसम बुलवार्ड
प्लाट 421 साउथ मेन रोड
पिंगले फार्म के निकट
पुणे – 411001

श्री एच के मित्तल – सदस्य
वैज्ञानिक जी / सलाहकार एवं प्रमुख,
राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी उद्यमिता विकास बोर्ड,
राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, प्रौद्योगिकी भवन,
न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली – 110016

महानिदेशक, सीएसआईआर – सदस्य
अनुसंधान भवन
2, रफी मार्ग, नई दिल्ली – 110001

डॉ. एस अय्यप्पन – सदस्य
महानिदेशक, आईसीएआर,
कृषि भवन, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद रोड, नई दिल्ली – 110001

डॉ. वी एम कटोच – सदस्य
महानिदेश, आईसीएमआर,
वी. रामालिंगास्वामी भवन, अंसारीनगर,
नई दिल्ली – 110029

श्री किशोर बियानी – सदस्य
संस्थापक, फ्यूचर ग्रुप,
सोबो सेंट्रल, चौथी मंजिल
निकट हाजी अली, तारदेव, मुंबई – 400034

प्रो. देवांग खाखर – सदस्य
निदेशक भारतीय प्रौद्यौगिकी संस्थान, पवई
मुंबई – 400076

श्री प्रद्युमन व्यास – सदस्य
निदेशक राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, पालडी
अहमदाबाद, गुजरात

प्रो. पंकज चंद्रा – सदस्य
आईआईएम बंगलौर,
बन्नेरघट्टा रोड, बंगलौर – 560076

सुश्री रिया सिन्हा – हनी बी नेटवर्क नामित सदस्य
सतीसर अपार्टमेंट्स, बी 802, सेक्टर 7,
प्लॉट 6, द्वारका,
नई दिल्ली

सचिव, आयुष – पदेन सदस्य
आयुष, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय,
रेडक्रॉस रोड,
नई दिल्ली – 110001

अध्यक्ष, सिडबी – पदेन सदस्य
टावर 15, अशोक मार्ग,
लखनऊ – 226001
उत्तर प्रदेश

सचिव, एम एस एम ई – पदेन सदस्य
उद्योग भवन, नई दिल्ली

मुख्य सचिवए गुजरात सरकार – पदेन सदस्य
सचिवालय, ब्लॉक नं. 1, तीसरी मंजिल
गांधीनगर – 380010, गुजरात

वित्तीय सलाहकार – पदेन सदस्य
विज्ञान एवं प्रौद्यौगिकी विभाग,
विज्ञान एवं प्रौद्यौगिकी मंत्रालय,
प्रौद्यौगिकी भवन, न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली – 110016

मुख्य नवप्रवर्तन अधिकारी – पदेन सदस्य
राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान
सैटेलाइट कॉम्पलेक्स
प्रेमचंदनगर रोड, अहमदाबाद – 380015

अर्थ समिति

डॉ. आर ए माशेलकर – अध्यक्ष
नेशनल रिसर्च प्रोफेसर,
राष्ट्रीय रासायनिक प्रयोगशाला,
डॉ. होमी भाभा रोड, पुणे – 411008

प्रो. अनिल के गुप्ता – कार्यकारी उपाध्यक्ष
भारतीय प्रबंध संस्थान
वस्त्रापुर, अहमदाबाद – 380015

सुश्री इलाबेन भट्ट – सदस्य
संस्थापक, सेवा (स्वाश्रयी महिला सेवा संघ)
सेवा रिसेप्शन सेंटर, विक्टोरिया गार्डन के सामने,
भद्रा, अहमदाबाद – 380001

प्रो. पंकज चंद्रा – सदस्य
आईआईएम बंगलौर,
बन्नेरघट्टा रोड, बंगलौर – 560076

वित्तीय सलाहकार – पदेन सदस्य
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग,
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय,
प्रौद्योगिकी भवन, न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली – 110016

मुख्य नवप्रवर्तन अधिकारी – पदेन सदस्य
राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान
सैटेलाइट कॉम्पलेक्स
प्रेमचंदनगर रोड, अहमदाबाद – 380015

सांगठनिक रूपरेखा

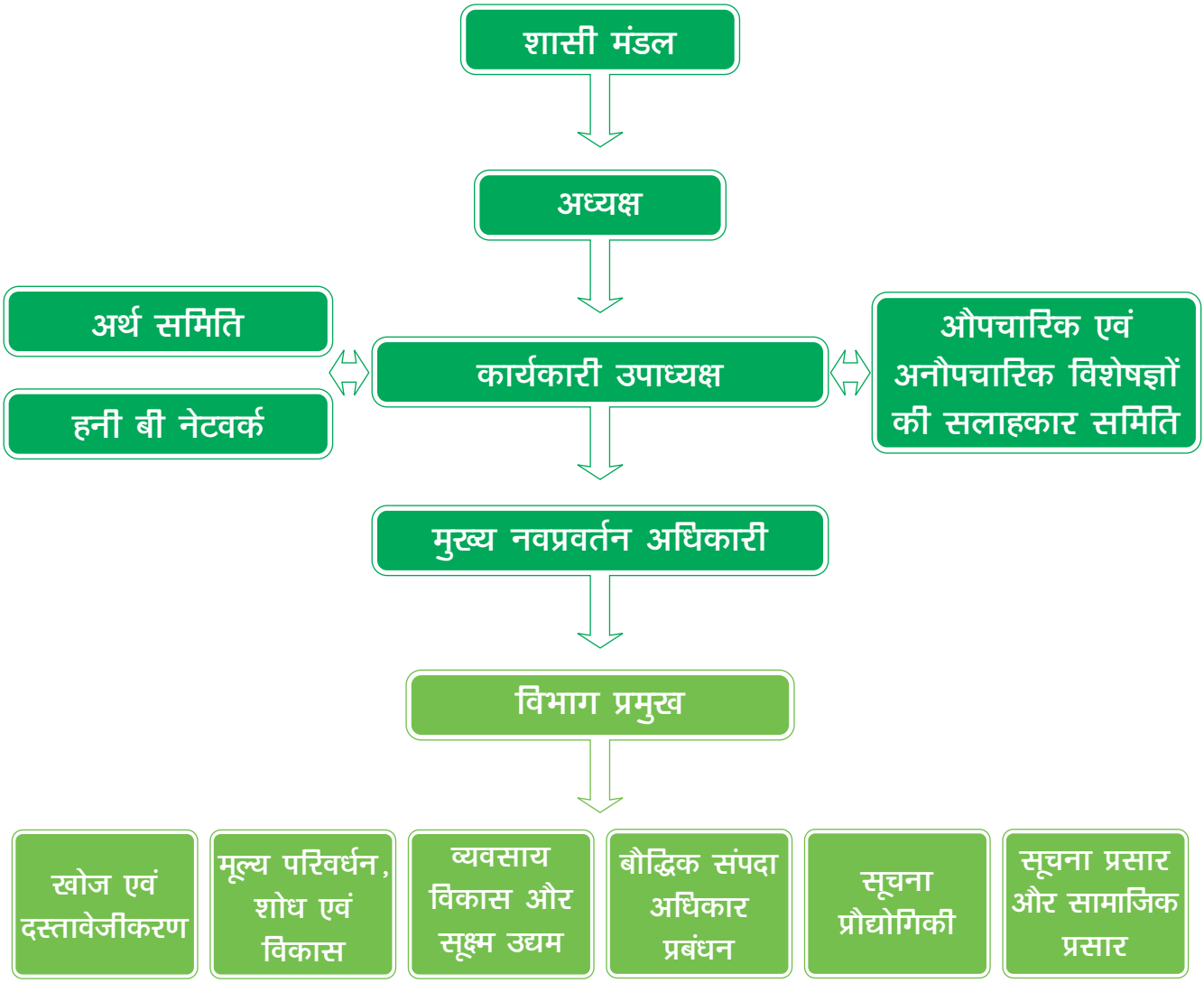
शासी मंडल
अध्यक्ष
अर्थ समिति
हनी बी नेटवर्क
कार्यकारी उपाध्यक्ष
औपचारिक एवं अनौपचारिक विशेषज्ञों की सलाहकार समिति
मुख्य नवप्रवर्तन अधिकारी
विभाग प्रमुख
खोज एवं दस्तावेजीकरण
मूल्य परिवर्धन, शोध एवं विकास
व्यवसाय विकास और सूक्ष्म उद्यम
बौद्धिक संपदा अधिकार प्रबंधन
सूचना प्रौद्योगिकी
सूचना प्रसार और सामाजिक प्रसार

विषय सूची

1.	आमुख	5
2.	प्रस्तावना	7
3.	निदेशक का सन्देश	11
4.	शासी मंडल	12
5.	अर्थ समिति	13
6.	सांगठनिक रूपरेखा	14
7.	नेतृत्व भूमिका : नये कीर्तिमान बनाते हुए	17
8.	अनुभागीय गतिविधियाँ	24
9.	आगे कदम बढ़ाते हुए	36
10.	संस्थागत नीतियाँ	38
11.	प्रशासनिक मामले	38
12.	लेखा परीक्षक का प्रतिवेदन एवं तुलनपत्र	40

नेतृत्व भूमिका : नये कीर्तिमान बनाते हुए

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान – भारत (रानप्र) को अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों और समाज के विभिन्न स्तरों पर नवप्रवर्तनों को प्रोत्साहित करने वाले उपक्रमों के केंद्रबिंदु की तरह देखा जा रहा है। इस संदर्भ में रानप्र की सबसे चुनौतीपूर्ण भूमिका लगभग 80 केंद्र सरकार के विभागों को नवप्रवर्तनों पर एक्शन प्लान बनाने के लिए वर्कशॉप उपलब्ध कराने की रही। कार्यप्रदर्शन प्रबंधन प्रभाग, कैबिनेट सचिवालय ने विभिन्न विभागों के परिणाम रूप–रेखा दस्तावेजों (आरएफडी) में नवप्रवर्तन का ऐजेंडा शामिल करने के लिए इन कार्यशालाओं का आयोजन किया था।

राष्ट्रपति कार्यालय ने तृणमूल नवप्रवर्तकों और समुदायों एवं उच्च शिक्षा संस्थानों के बीच समावेशी नवप्रवर्तनों और साझेदारी के लिए कई नये प्रस्ताव रखे हैं। राष्ट्रपति की कई केंद्रीय महाविद्यालयों में यात्रा के दौरान रानप्र नवप्रवर्तनों की प्रदर्शनी आयोजित करने और राष्ट्रीय नवप्रवर्तन क्लबों का निर्माण करने में सहयोग करता है। इन क्लबों का काम अपने क्षेत्रों में नवप्रवर्तनों की खोज, उनका प्रसार और उन्हें सम्मानित करने के साथ ही समाज की जरूरतों को समझने का प्रयास करना होता है। इस वर्ष बच्चों के मौलिक विचारों को पहचानने के लिए की आयोजित की जाने वाली प्रतियोगिता इग्नाइट में अभूतपूर्व प्रतिक्रिया प्राप्त हुई। बच्चों के विचारों को और बेहतर बनाकर उद्योगों से जोड़ने की दिशा में भी काफी तरक्की हुई। ट्रेडिशनल नॉलेज डिजिटल लाइब्रेरी (टीकेडीएल) के प्रारंभिक प्रतिरोध के बाद भी रानप्र को जड़ी–बूटी चिकित्सा के एक अमरीकी पेटेंट से अनुदान प्राप्त करने में भी सफलता हासिल हुई। कई नवप्रवर्तकों को सामुदायिक वर्कशॉप खोलने में मदद की गई और तृणमूल नवप्रवर्तकों को भी इनमें शामिल करने को लेकर सराहनीय प्रयास किए गए।

इस वर्ष का सुखद अंत माननीय राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी के हाथों अध्यक्ष डॉ माशेलकर को, देश के दूसरे सर्वोच्च सम्मान, पद्म विभूषण से सम्मानित किए जाने के साथ हुआ।

गुरमील सिंह ढोंसी राजस्थान की खाद जल्दी बनाने की मशीन

रचनात्मकता की खोज में: शोध यात्राएँ

३१वी शोधयात्रा, वर्धा (महाराष्ट्र)
दिनांक ०५ ते १२ मे, २०१३
सेवाग्राम आश्रम- वर्धा ते हेटीकुंडी (करंजा ब्लॉक)
Gian

ग्रीष्मकालीन शोधयात्रा

31वीं शोधयात्रा सृष्टि, रानप्र और हनी बी के नेटवर्क के अन्य सदस्यों द्वारा 5 से 12 मई 2013 तक महाराष्ट्र के वर्धा जिले में सेवाग्राम से हेतीकुंडी तक आयोजित की गई। सात दिनों के लिए देश–विदेश के विभिन्न हिस्सों से अलग–अलग पृष्ठभूमि से आए लोग 120 किलोमीटर की पैदल यात्रा से कुछ सीखने की चाह लिए साथ चल पड़े। इस यात्रा में उन्हें 4 शिक्षकों से सीखने का मौका मिला : क) स्वयं के अंदर मौजूद शिक्षक से ब) प्रकृति से स) एक दूसरे से द) जनसामान्य से। इस पैदल यात्रा के दौरान शोधयात्री चिलचिलाती धूप और गर्मी में गाँवों, जंगलों और खेतों से बीच से होकर गुजरे। सेवाग्राम को 1936 में गाँधीजी द्वारा 67 वर्ष की आयु में बसाया गया था जहाँ रहकर उन्होंने कई साल बिताये थे। यात्रियों ने वहाँ से कुछ ही दूरी पर स्थित विनोबा भावे के पौनार आश्रम के भी दर्शन किए। गाँधीजी की कर्मभूमि से यात्रा आरंभ कर विनोबा भावे के आश्रम जाना सभी यात्रियों के लिए बेहद प्रेरणादायक अनुभव था। इनसे यात्रियों को अपने अंदर आध्यात्मिक जागृति का एहसास हुआ और उन्होंने सादगी, मितव्ययिता और पारदर्शिता के साथ जमीनी स्तर पर रचनात्मकता के अपने का लक्ष्य की तरफ पुनः समर्पण की प्रतिज्ञा की।

नागपुर से शेख जब्बार जिन्हें अपने गीयर और मोटर वाले पैडल रिक्शा के लिए रानप्र द्वारा सम्मानित किया गया, स्कूटर आधारित नवप्रवर्तनों के लिए पुरस्कृत किए गए जलगाँव के शेख जहाँगीर और फलों और खाद्य प्रसंस्करण मशीन के लिए सम्मानित किए गए यमुनानगर के धरमवीर भी इस शोधयात्रा में शामिल थे। अपनी धान की किस्मों के लिए राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त करने वाले दादाजी खोबरागड़े भी थोड़े समय के लिए इस यात्रा में शामिल हुए। यात्रा के दौरान धरमवीर ने गाँववालों के सामने अपनी भ्रमणकारी (मोबाइल) सिंचाई प्रणाली का प्रदर्शन किया। इसे देश की भूतपूर्व राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवी सिंह पाटिल की आदेश पर विकसित किया गया था। वे पानी की समस्या से जूझ रहे विदर्भ और अन्य क्षेत्रों के किसानों की समस्या का निदान चाहती थीं जहाँ फसलों के अहम चरण के दौरान बारिश के कम होने या बिल्कुल न होने के कारण फसल बर्बाद हो जाया करती थी। शेख जहाँगीर ने यात्रियों को अपने रैंचो स्कूल के बारे में बताया जहाँ लगभग 300 विद्यार्थियों को जीवन जीने के कौशल की शिक्षा दी जाती है। वहाँ के कई विद्यार्थी भी स्वयं नवप्रवर्तन करने लगे हैं। यात्रा के दौरान प्रदर्शित की गई अन्य तकनीकों में साइकिल से छिड़काव करने वाला यंत्र, गन्ने की कोपलें छीलने वाला उपकरण और साइकिल आधारित निराई उपकरण प्रमुख थे। प्रसंगवश, शेख जहाँगीर उस दो नवप्रवर्तकों में से एक हैं जिनके द्वारा विकसित किए गए स्कूटर से चालित आटा चक्की को हमारे सहयोग से फिल्म थ्री ईडियट्स के द्वारा लोकप्रियता मिली।

शीतकालीन शोधयात्रा

32वीं शोधयात्रा 28 दिसंबर 2013 से 2 जनवरी 2014 तक पंजाब के जालंधर जिले में आयोजित की गई। इसमें देश के विभिन्न हिस्सों और अन्य देशों जैसे स्वीडन, जर्मनी, हॉलैंड, रूस और फ्रांस के लगभग 80 शोधयात्रियों ने 90 किलोमीटर की पैदल यात्रा की। यह यात्रा सुल्तानपुर लोदी के निर्मल कुटिया से शुरू हुई। राज्य और प्रशासन के बेअसर रहने पर संत सीचेवाल द्वारा कालीबेन नदी की सफाई के सराहनीय प्रयास को शोधयात्रियों का भरपूर सम्मान मिला।

यात्रा के दौरान यात्रियों को कई नवप्रवर्तकों से मिलने का मौका मिला। बुसोवाल गाँव के लखविंदर सिंह ने फलदार पेड़ों की गाँठे रोपने का एक छोटा उपकरण विकसित किया था। दूसरे गाँव अली खुर्दकलाँ में यात्रियों ने गुरदयाल सिंह और वैराम सिंह द्वारा विकसित एक विशेष प्रकार की प्याज की किस्म देखी। इस प्याज की किस्म में एक गाँठ से लगभग 27 प्याजों की पैदावार हो सकती थी, जो कि किसी मिश्र के प्याज की प्रजाति से काफी मिलती थी। यात्रियों को भागो बुद्ध गाँव में एक साइकिल आधारित निराई उपकरण भी देखने को मिला जो महाराष्ट्र के गोपालभाई भिसे और चीन के नवप्रवर्तकों द्वारा विकसित किए गए उपकरणों के समान है। राह में हमने गाजर धोने वाली मशीन भी देखी। लोदीवाल गाँव में जमीन पर बैठकर खाना खाने के दौरान हमने पानी देने वाला एक सस्ता और सहज नवप्रवर्तन भी देखा। धर्मवीर कांबोज ने अनेक गाँवों में अपने खाद्य प्रसंस्करण उपकरण का प्रदर्शन किया। उन्होंने समझाया कि कैसे इस मशीन से बिना बीजों को पीसे ही पुदीने का अर्क, बेर और करौंदे का जूस निकाला जा सकता है।

यात्रा के दौरान यात्रियों ने कई ग्राम सभाएँ, विचारों और जैव–विविधता को लेकर कई प्रतियोगिताएँ आयोजित की। इसके साथ ही उन्होंने कई शिल्पकारों, संगीतज्ञों, पारंपरिक ज्ञान की जानकारी रखने वाले ग्रामीणों और नवप्रवर्तकों से मुलाकात की। यात्रा के दौरान गाँववालों के बीच सामाजिक रुप से उपयुक्त तकनीकों का प्रदर्शन करने पर अधिक जोर दिया गया। स्थानीय खेती की समस्याओं और मवेशियों में होने वाली बीमारियों के साधारण उपाय पोस्टरों पर स्थानीय भाषा में लिखकर गाँव भर में लगाये गए थे। रानप्र के राष्ट्रीय अभियान, इग्नाइट प्रतियोगिता और कई अन्य गतिविधियों जैसे शैक्षणिक, संस्थानिक और सांस्कृतिक रचनात्मकता के प्रोत्साहन के लिए भी पोस्टर लगाए गए।

निष्क्रियता से अधीर बच्चे :

इग्नाइट पुरस्कार 2013

बच्चों के नवप्रवर्तनों को पुरस्कृत करने के लिए इग्नाइट 2013 पुरस्कार समारोह, 19 फरवरी 2014 को आईआईएम अहमदाबाद में आयोजित किया गया। इग्नाइट बारहवीं कक्षा तक के बच्चों के मौलिक विचारों और नवप्रवर्तनों की एक राष्ट्रीय प्रतियोगिता है। इग्नाइट प्रतियोगिता को रानप्र द्वारा केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद (सीबीएसई), सृष्टि और कुछ अन्य सहयोगियों की मदद से आयोजित किया जाता है। कई अन्य राज्यों के शैक्षणिक बोर्डों जैसे पश्चिम बंगाल माध्यमिक शिक्षा परिषद, पंजाब शिक्षा बोर्ड, विद्यालयी शिक्षा बोर्ड, गोवा माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा बोर्ड, मेघालय विद्यालयी शिक्षा बोर्ड, छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल ने भी इस अभियान को सक्रिय रूप से प्रोत्साहित किया है। इग्नाइट 2013 के लिए 33 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के 301 जिलों से कुल मिला कर 20,836 प्रविष्टियाँ प्राप्त हुई थीं। इग्नाइट पुरस्कारों की घोषणा भारत रत्न डॉ एपीजे अब्दुल कलाम के जन्मदिवस 15 अक्टूबर को की गई, जिसे राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान द्वारा बाल सृजनात्मकता एवं नवप्रवर्तन दिवस के रूप में मनाया जाता है।

इग्नाइट 2013 में 17 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 25 जिलों से कुल 44 विद्यार्थियों को अपने विचारों एवं नवप्रवर्तनों के लिए डॉ एपीजे अब्दुल कलाम के हाथों से 26 पुरस्कार प्राप्त हुए। इस मौके पर पुरस्कृत किए गए विचारों की एक प्रदर्शनी भी लगाई गई। रानप्र ने विद्यार्थियों के नाम पर पेटेंट दर्ज करा उन्हें पेटेंट के आवेदन की प्रतिलिपियाँ भी प्रदान की। इसके साथ ही कई निर्माताओं और डिजाइनरों से प्रदर्शनी में लगाए गए विद्यार्थियों के विचारों के नमूने भी बनवाये। डॉ कलाम नवप्रवर्तनशील रीति से बच्चों को पढ़ाने वाले कुछ शिक्षकों से मिले। इसके अलावा वे सृष्टि द्वारा आयोजित इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों के प्रोजेक्टों की प्रतियोगिता के गाँधीवादी युवा प्रौद्योगिकीय पुरस्कार प्राप्त विजेताओं से भी मिले।

पाँचवीं नवप्रवर्तन प्रदर्शनी

राष्ट्रपति भवन, दिल्ली

भारत के माननीय राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी द्वारा 7 मार्च 2014 को नई दिल्ली के राष्ट्रपति भवन में नवप्रवर्तन प्रदर्शनी का शुभारंभ किया गया। इस प्रदर्शनी में कुल मिलाकर 41 नवप्रवर्तन प्रदर्शित किए गए जिनमें से 7 नवप्रवर्तन विद्यार्थियों के द्वारा किए गए थे। इसके साथ ही माइंड टु मार्केट नाम के पैवेलियन में सामुदायिक ज्ञान पर आधारित मनुष्यों, जानवरों और पौधों के स्वास्थ्य से संबंधित औषधीय उत्पाद भी प्रदर्शित किए गए। माननीय राष्ट्रपति महोदय ने देश के विभिन्न हिस्सों से आए नवप्रवर्तकों से बातचीत की। इस प्रदर्शनी को 7 से 13 मार्च 2014 तक जनता के लिए खोला गया।

अलग तरह के नवप्रवर्तनों के समूह के रूप में मोटरसाइकिल चालित साँती के सात प्रकार और खेती के अन्य उपकरण एक विशेष पैवेलियन में प्रदर्शित किए गए। मोटरसाइकिल के चेसिस और शक्ति का प्रयोग कर उसकी गति को कम कर नवप्रवर्तक मनसुखभाई जगानी ने एक बहुउद्देशीय टूलबार का निर्माण किया जिसमें विभिन्न खेती के उपकरणों को जोड़ा जा सकता है। बाद में कई नवप्रवर्तकों ने जरूरत के अनुसार उसमें कई सुधार किए और नये चेसिस का निर्माण किया । इन नवप्रवर्तनों के समूह से वे किसान जो ट्रैक्टर पर खर्च नहीं कर सकते और चारे की कमी के कारण बैल नहीं रख सकते, उनके द्वारा कैसे खेती की जाती है यह समझने का मौका मिला। अन्य उपयोगकर्ताओं और नवप्रवर्तकों को इसकी नकल बनाने और इसमें अपनी जरूरतों के अनुसार सुधार करने की छूट है। इससे टेक्नोलॉजी कॉमन्स नाम के सिद्धांत का विकास हुआ है जिसमें उपयोगकर्ताओं एवं नवप्रवर्तकों के लिए इसे नकल करने या सुधार करने के लिए कोई मनाही नहीं है। पर कमर्शियल फर्मों को इसके लिए टेक्नोलॉजी कॉमन्स के सदस्यों से लाइसेंस प्राप्त करने की आवश्यकता होगी।

प्रदर्शित किए गए नवप्रवर्तन विभिन्न स्तरों पर बेहद ध्यानपूर्वक निरीक्षण के बाद ही चयनित किए गए । सभी प्रविष्टियों को पहले नवीनता, विशिष्टता और किफायतता सुनिश्चित करने के लिहाज से तकनीकी और कलात्मकता की दृष्टि से जाँचा गया। रानप्र ने इनमें से कईयों को उनके प्रसार के अलावा दावों की पुष्टि, मूल्य वृद्धि और उत्पादों के विकास के लिए सहयोग दिया है। सभी तकनीकों के लिए तृणमूल नवप्रवर्तकों के नाम पर पेटेंट दाखिल किए गए थे।

8 मार्च 2014 को नवप्रवर्तकों का एक सम्मेलन रखा गया था जिसमें उन्हें अपने अनुभव साझा करने को कहा गया । उन्हें अपने क्षेत्र में रचनात्मक व्यक्तियों को ढूँढकर उनके बारे में रानप्र को जानकारी देने को कहा गया जिससे योग्य विचारों और नवप्रवर्तनों को प्रोत्साहित किया जा सके। नवप्रवर्तनों की खोज, सूचना–प्रसार और उनके दस्तावेजीकरण में विद्यार्थियों को शामिल करने की संभावना की तलाश करने के लिहाज 11 मार्च 2014 से कॉलेजों में स्थापित राष्ट्रीय नवप्रवर्तन क्लबों के प्रतिनिधियों की एक बैठक भी आयोजित की गई। माननीय राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी ने औपचारिक एवं अनौपचारिक क्षेत्रों के बीच एक संपर्क जोड़ने के लिए हर कॉलेज और विश्वविद्यालय में एक राष्ट्रीय नवप्रवर्तन क्लबों की स्थापना का सुझाव दिया। इस बैठक में उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, जामिया मिल्लीया विश्वविद्यालय, दिल्ली, बाबा भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ, आसाम विश्वविद्यालय, सिलचर, महात्मा गाँधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली और राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, अजमेर के कई शोधकर्ताओं और संकाय सदस्यों ने भाग लिया।

अनुभागीय गतिविधियाँ

गतिविधियाँ

क) खोज एवं दस्तावेजीकरण

राष्ट्रीय द्विवार्षिक प्रतियोगिता

नौवीं राष्ट्रीय द्विवार्षिक प्रतियोगिता का आरंभ 1 अप्रैल 2014 को हो गया जिसमें 31 मार्च 2015 तक प्रविष्टियाँ स्वीकार की जाएँगी। इस राष्ट्रीय द्विवार्षिक प्रतियोगिता के पहले वर्ष में देश के विभिन्न हिस्सों से लगभग 20000 प्रविष्टियाँ प्राप्त हुईं। गैर सहायता प्राप्त तृणमूल नवप्रवर्तनों एवं विशिष्ट पारंपरिक ज्ञान की आठवीं राष्ट्रीय द्विवार्षिक प्रतियोगिता (2011–2013) का समापन 31 मार्च, 2013 को हुआ, जिसमें लगभग 52000 प्रविष्टियाँ प्राप्त हुईं। (सभी प्रविष्टियाँ नई और विशिष्ट नहीं)

इग्नाइट राष्ट्रीय प्रतियोगिता 2014

इग्नाइट के 2013 में समाप्त हुए संस्करण के बाद से ही 2014 के लिए प्रविष्टियाँ प्राप्त होनी शुरू हो गई हैं। मार्च 2014 तक लगभग 5000 प्रविष्टियाँ प्राप्त की जा चुकी थीं। ऐसी आशा है कि केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद के अलावा अन्य राज्यों के शैक्षणिक बोर्ड भी हर बार की तरह इस बार भी इस अभियान में सहयोग करेंगे।

कार्यशालाएँ एवं बैठकें

6 - 7 अक्टूबर को गाँधीनगर में अमरापुर के ग्रामभारती में एक खोज और दस्तावेजीकरण की कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें 15 राज्यों के लगभग 50 स्काउटों और स्वैच्छिक कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। इस कार्यशाला का उद्देश्य खोज एवं दस्तावेजीकरण गतिविधियों की समीक्षा, एक दूसरे के अनुभवों से सीखना और भविष्य के लिए रणनीति तैयार करना था। इसी उद्देश्य से पटना में 7 अप्रैल, 2013 में नवप्रवर्तकों, औषधीय चिकित्सकों और तृणमूल कार्यकर्ताओं वर्कशॉप भी आयोजन किया गया। यहाँ हनी बी नेटवर्क और रानप्र के कार्यों का प्रदर्शन किया गया और नेटवर्क को और फैलाने तथा ज्यादा से ज्यादा तृणमूल नवप्रवर्तकों और विशिष्ट पारंपरिक ज्ञान की जानकारी रखने वाले लोगों तक पहुँचने के लिए सुझाव माँगे गए । इस कार्यशाला में बिहार के 14 जिलों से प्रतिभागी शामिल हुए थे।

रानप्र ने ज्ञान के आदान प्रदान के लिए हैदराबाद में 24 से 25 मई तक आंध्र प्रदेश के पारंपरिक चिकित्सकों की दो दिवसीय बैठक के आयोजन में पल्ले सृजन का सहयोग किया। इसमें औपचारिक क्षेत्रों के विशेषज्ञों के साथ ही आदिलाबाद, वारांगल, श्रीकाकुलम, कुरनूल और विशाखापट्टनम के जनजातीय क्षेत्रों के 25 पारंपरिक वैद्यों भी शामिल थे। देश के विभिन्न हिस्सों में कई अन्य वैचारिक प्रतियोगिताएँ और नवप्रवर्तनों की जानकारी के प्रोग्राम भी आयोजित किए गए। 13 से 15 मार्च तक ग्वालियर के जिवाजी विश्वविद्यालय में अनेक विश्वविद्यालयों के 40 वनस्पति विज्ञानियों की एक सेमिनार–कम–कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें नेटवर्क के विस्तार के लिए उन्हें खोज एवं दस्तावेजीकरण पर जीआरआई पर आधारित एक प्रजेन्टेशन दिखाया गया।

मुश्ताक अहमद दार, जम्मू और कश्मीर की अखरोट चटकाने की मशीन

ख). मूल्य परिवर्धन, शोध एवं विकास

प्रौद्योगिकीय नवप्रवर्तनों की प्रगति की समीक्षा के लिए विशेषज्ञ समिति की बैठक

23 मई 2013 को बाल मजदूरी के दूर करने के उद्देश्य से किये गये नवप्रवर्तनों की समीक्षा के लिए एक बैठक–कम–सेमिनार आयोजित किया गया। इसमें विशेषज्ञों द्वारा एसी तृणमूल तकनीकों की समीक्षा की गई जिससे उत्पादकता बढ़ाकर, माता पिता की आय में वृद्धि और काम में नीरसता को कम कर बाल मजदूरी को पूरी तरह खत्म किया जा सके। कुछ तकनीकें खेती और निर्माण क्षेत्र में भी पाई गईं जिनमें बहु क्षेत्रीय चैनलों के द्वारा सुधार किया जा सकता है।

4 अक्टूबर 2013 को विशेषज्ञ समिति की एक अन्य बैठक आयोजित की गई जिसमें इग्नाइट प्रतियोगिता की ऐसी प्रविष्टियों की समीक्षा की गई जिनमें सामाजिक और व्यक्तिगत समस्याओं का समाधान करने की क्षमता हो । समिति ने 46 विचारों और नवप्रवर्तनों की समीक्षा कर उनमें से 26 को पुरस्कार के लिए चयनित किया। समिति ने गाँधीवादी समावेशी नवप्रवर्तन पुरस्कारों के अंतर्गत स्टोव, धान ट्रांसप्लान्टर के प्रोटोटाइप और चाय की पत्तियों को चुनने वाले उपकरणों की भी समीक्षा की। समिति ने इनमें से किसी भी प्रविष्टि को योग्य नहीं पाया और दुबारा प्रतियोगिता की घोषणा करने का सुझाव दिया। वल्लभ विद्यानगर में स्थित सरदार पटेल अक्षय ऊर्जा शोध संस्थान को स्टोव की जाँच में शामिल किया गया। इन स्टोवों की ऊष्मीय कार्यक्षमता 7.42 से 25.97 प्रतिशत के बीच और बल श्रेणी (पावर रेटिंग) 0.19 से 2.91 kW के बीच पाई गई। नये प्रस्तावों का मूल्यांकन करने और पहले से जारी प्रोजेक्टों की प्रगति की समीक्षा करने के लिए 17 फरवरी, 2014 को परियोजना समीक्षा समिति (पीआरसी) की एक बैठक आयोजित की गई। समिति ने आईआईटी गाँधीनगर, आईआईटी खड़गपुर, आईआईटी गुवाहाटी, धीरूभाई अंबानी सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी संस्थान, गाँधीनगर, लूमियम इनोवेशन्स प्रा लि अहमदाबाद, सृष्टि स्कूल ऑफ आर्ट्स, डिजाइन एंड टेक्नोलॉजी, बैंगलोर, में चल रहे प्रोजेक्टों की समीक्षा की और उनके विषय में फीडबैक दिया। परियोजना समीक्षा समिति (पीआरसी) द्वारा नवप्रवर्तकों को सामुदायिक वर्कशॉप स्थापित करने, प्रोटोटाइपों के विकास और रानप्र में फैब (एफएबी) लैब को सुदृढ़ करने के प्रस्तावों की भी समीक्षा की गई।

संशोधित प्रोटोटाइपों का विकास और जाँच

कई कंपनियों और संस्थानों को नवप्रवर्तकों के प्रोटोटाइपों में मूल्य परिवर्धन और कई विद्यार्थियों के विचारों के प्रोटोटाइप तैयार करने के लिए शामिल किया गया। इसके अंतर्गत चेन्नई के सिंपल लैब्स को 'कमीज जो जगाए रखे', 'शोर रहित हॉर्न', 'उन्नत इयरफोन जिनसे हॉर्न सुनाई दे सके', 'विजिटर कोड वाले दरवाजे और घंटी' के प्रोटोटाइप विकसित करने के लिए शामिल किया गया। इसी तरह लूमियम इनोवेशन्स प्रा लि, अहमदाबाद को 'स्थानीय तापमान के अनुसार पंखे की गति निर्धारित कर सकने वाला एक स्मार्ट कंट्रोलर', इम्बेड इलैक्ट्रॉनिक्स, अहमदाबाद को 'गाड़ी में चाबी लगाकर भूल जाने पर रिमाइंडर की सुविधा', 'कार में ऑक्सीजनध्कार्बन डाइ ऑक्साइड के स्तर का संकेतक' और 'स्टेटस नोटिफायर लगे लैंडलाइन फोन' के विकास के लिए शामिल किया गया। इसके अलावा अहमदाबाद के निर्माता के एम पटेल को बेड शीट निचोड़ने वाले उपकरण का एक उन्नत प्रोटोटाइप विकसित करने का दायित्व दिया गया। रानप्र की फैब लैब द्वारा इग्नाइट पुरस्कारों के लिए चयनित 13 विचारों के व्यावहारिक प्रोटोटाइप विकसित किए गए। ये प्रोटोटाइप कुछ इस प्रकार है : पंक्चर प्रणाली वाली पानी की बोतल, गलत अवस्था से बैठने पर अलार्म बजाने वाली कुर्सी, स्टीयरिंग और ब्रेक लगी हुई कार्ट, हेडफोन के बहु रंगीय तार, बहुत सारे फोकस वाली उन्नत किस्म की टॉर्च, मोबाइल फोन जिसमें चार्जर सन्निहित हो, कन्संट्रेशन पेन, स्मार्ट पर्स, ट्रैफिक नियंत्रित करने के लिए रोड में लगी कीलों का नेमूना। इसके साथ ही देश के विभिन्न भागों के अनेकों नवप्रवर्तकों को प्रोटोटाइपों के विकास और जाँच में मदद की गई। बिहार के बीरेंद्र सिन्हा द्वारा विकसित प्रदूषण नियंत्रक की जाँच एआरएआई पुणे द्वारा की गई। जाँच के दौरान इस उपकरण को लगाने के बाद धुएँ में कणिकीय पदार्थ (पार्टिकुलेट मैटर) की मात्रा में भारी कमी दर्ज की गई। गुजरात के मनसुखभाई प्रजापति के मिट्टीकूल फ्रिज की जाँच नवसरी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा की गई। इस उपकरण में आस–पास के वातावरण से 4 से 5 डिग्री तक कम तापमान पाया गया। सब्जियों को मिट्टीकूल में रखने पर यह पाया गया कि इसमें रख देने से सब्जियों में जीवाणुओं के इन्फेक्शन में सामान्य ताप के मुकाबले कमी आती है और सुरक्षित रखे जा सकने की अवधि में भी इजाफा होता है। इसके साथ ही कुछ अन्य नवप्रवर्तनों की भी जाँच चल रही है।

गतिविधियाँ

फैब्रीकेशन सुविधाओं को सुदृढ़ करते हुए

रानप्र की फैब लैब को इलैक्ट्रॉनिक्स एवं गुणवत्ता विकास केंद्र (ईक्यूडीसी), गाँधीनगर से हटाकर अमरापुर के ग्रामभारती में स्थानांतरित कर दिया गया है। फैब लैब में सुविधाओं को और मजबूत बनाने के लिए विभिन्न मशीनों की खरीद शुरू कर दी गई है। इसके अंतर्गत निम्नलिखित उपकरण हैं– थ्री–डी प्रिंटर, शून्य (वैक्यूम) का निर्माण करने वाली मशीन, टीआईजी वेल्डिंग मशीन, स्पॉट वेल्डिंग मशीन, मैनुअल पाइप बेंडर, गैस वैल्डर–कम–शटर, स्प्रे–गन वाला कंप्रैसर इत्यादि। दो नवप्रवर्तकों, मणिपुर के के. निकोलसन और कर्नाटक के जी के रत्नाकर के घर पर सामुदायिक वर्कशॉप स्थापित की गईं। इसके अलावा असम के नवप्रवर्तक कनक दास के घर पर शुरू की गई सामुदायिक वर्कशॉप को भी अतिरिक्त सहायता प्रदान की गई है। रानप्र ने 18 राज्यों के पुराने नवप्रर्तकों के घरों पर ऐसी 34 वर्कशॉप शुरू कर दी हैं जिससे अन्य तृणमूल नवप्रवर्तकों को फैब्रीकेशन की सुविधा उपलब्ध हो सका तथा वे उनके अनुभवों से कुछ सीख सकें। जून 2013 में सीकर , राजस्थान के मदनलाल कुमावत और श्रीगंगानगर, राजस्थान के गुरमैल सिंह धोंशी के घर पर स्थित सामुदायिक वर्कशॉपों में स्थानीय नवप्रवर्तकों की दो बैठकें आयोजित की गईं। इस क्षेत्र के नवप्रवर्तक इन वर्कशॉपों में काम करने के लिए काफी उत्सुक दिखाई दिये। इसी तरह की बैठकें अन्य सामुदायिक वर्कशॉपों में भी आयोजित किए जाने की योजना है। सामुदायिक वर्कशॉपों को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए स्थानीय नवप्रवर्तकों को वर्कशॉपों में काम करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इन सामुदायिक वर्कशॉपों के मार्गदर्शन की जिम्मेदारी रानप्र की टीम के सदस्यों को दी गई है। ऐसे स्थानीय और वैश्विक सलाहकारों की पहचान करने के प्रयास किए जा रहे हैं जो नियमित रूप से इन नवप्रवर्तकों का मार्गदर्शन कर सकें।

बाल मजदूरी रोकने के लिए प्रौद्योगिकीय नवप्रवर्तनों की वर्कशॉप

सृष्टि और अंतरराष्ट्रीय मजदूर संघ (आईएलओ) द्वारा मिलकर बाल मजदूरी को रोकने के लिए एक वर्कशॉप का आयोजन किया गया जिसमें रानप्र ने भी सहयोग किया। इस वर्कशॉप का उद्देश्य था प्रौद्योगिकीय नवप्रवर्तनों की पहचान करना जिससे 1) बाल मजदूरी कम या खत्म हो सके 2) माता–पिता की आय में वृद्धि हो जिससे बच्चों को काम पर न जाना पड़े 3) जोखिमभरी परिस्थितियों को दूर करना जिससे मजदूर सुरक्षित रहकर काम कर सकें और उनके जीवन सुरक्षित रहे जिससे दुर्घटनाओं के कारण उनके बच्चों पर काम करने की मजबूरी न आ सके। समस्या की गंभीरता को समझते हुए रानप्र ने प्राप्त हुए कुल 269 विचारों में से नवप्रवर्तकों की तरफ से 47 विचारों को नामांकित किया है। इन वर्कशॉपों को किए जा सकने योग्य नवप्रवर्तनों की सूची बनाने के लिए आयोजित किया गया। इससे यह भी समझ आया कि नये प्रौद्योगिकीय नवप्रवर्तनों के विस्तार के माध्यम से पारंपरिक क्षेत्रों से बाल मजदूरी रोकने के साथ ही साथ माता–पिता की आय में भी वृद्धि होनी आवश्यक है। शैक्षणिक समुदायों (आईआईटी, डिजाइन स्कूल), डिजाइन कंपनियों (राष्ट्रीय और बहुराष्ट्रीय) , एनजीओ इत्यादि से विशेषज्ञों ने वर्कशॉप में आकर वहाँ प्रदर्शित की गई विभिन्न प्रौद्योगिकियों के बारे में जानकारी दी। इसके साथ ही और अधिक व्याख्या और निरीक्षण के लिए वर्कशॉप में 60 से अधिक विचारों/प्रौद्योगिकी का प्रदर्शन किया गया । उनके द्वारा की गई समीक्षा के आधार पर बाल मजदूरी रोकने के नवप्रवर्तनों की प्रदर्शनी का एक सार–संग्रह तैयार करने के लिए 43 विचारों का चयन किया गया।

औषधीय कृषि, मानव स्वास्थ्य एवं पशु चिकित्सा संबंधी प्रौद्योगिकी

हर्बल चाय के नये निरूपण

रानप्र द्वारा हर्बल चाय के 6 प्रकार के मूल्य परिवर्धित निरूपण विकसित किए गये, जैसे एंटी ओबेसिटी, एंटी ऑक्सीडेंट, एंटी एजिंग, एंटी डायबेटिक, एंटी हाइपरटेंसिव और एंटी इन्फलेमेटरी। हिमाचल की काँगड़ा घाटी से चुनी गई चाय में उपयुक्त अनुपात में औषधियाँ मिलाई गईं। इन मिश्रणों की गुणवत्ता और स्वाद का निर्धारित मानकों के आधार पर मूल्यांकन किया गया। इन सभी चायों को 21 से 13 दिसंबर 2013 तक आईआईएम अहमदाबाद में आयोजित हुए सात्विक फूड फेस्टिवल में युवान लौंग लाइफ प्रा लि के माध्यम से प्री - लाँच किया किया गया।

रानप्र–आईसीएमआर के सहयोग के अंतर्गत एक वनस्पति संग्रहालय और अशोधित औषधीय भंडार की स्थापना

सद्भाव सृष्टि संशोधन लैब के सहयोग से राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान (रानप्र) में नॉन कोडिफाइड पौधों के लिए एक वनस्पति संग्रहालय और औषधीय भंडार की स्थापना की गई है। यह भारत में अपनी तरह का पहला संग्रहालय है। इसमें इन पौधों के अनूठे उपयोग और उनकी जैविक गतिविधियों से संबंधित जानकारी भी होगी।

हर्बल तकनीकों को पुष्टि के लिए विभिन्न संस्थानों में भेजा जाना

डायबिटीज, लिवर की समस्याओं, अस्थमा, मोतियाबिंद, उच्च रक्तचाप के लिए कारगर समझी जाने वाली लगभग 32 हर्बल उपायों को पुष्टि के लिए बी वी पटेल पीईआरडी सेंटर, अहमदाबाद और एचएसके फार्मेसी कॉलेज, बागलकोट में भेजा गया। तीन हर्बल उपायों को भी ऐक्यूट डर्मल इरिटेशन और ऐक्यूट ओरल टॉक्सिसिटी की पहचान के लिए ओईसीडी के दिशा–निर्देशों के अनुसार वेस्कौप, मुंबई में भेजा गया। इसी तरह कीटों और फसलों की बीमारियों में कारगर माने जाने वाले 10 हर्बल मिश्रण भी जाँच के लिए एसडीएवी, दंतेवाड़ा भेजे गए। इसके साथ ही बैंगन और भिंडी पर भी परीक्षण किए जा रहे हैं। तीन फसलों (सरसों 1, चावल 3, आम 1) की पाँच किस्में क्रमानुसार जम्मू के शेर–ए–कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, करनाल के सैंट्रल सॉइल सैलिनिटी इंस्टीट्यूट और बीकानेर के एस के राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय भेजी गईं।

काली मिर्च की थेक्कन किस्म के पंजीकरण के लिए पीपीवी एंड एफआर अथॉरिटी, नई दिल्ली को आवेदन भेजा गया।

ग्रमभारती रिसर्च प्लॉट में हर्बल कार्यप्रणाली की पुष्टि

ग्यारह हर्बल मिश्रणों (जीसी, टीएसपी, आरएटीएन, एसएटीई,एसएपी, एनबीआर, एचजेपी, सीएम इत्यादि) को कीटों को नियंत्रित करने और फसलों की पैदावार बढ़ाने की क्षमता के आधार पर परखा गया। जाँच के सकारात्मक नतीजे निकले और इन्हें कीटों की संख्या नियंत्रित करने और फसलों की पैदावार बढ़ाने में उपयोगी पाया गया। जीसी 6@मिली/ली और एनबीआर 55@मिली/ली के उपयोग से मिर्च की पत्तियों के मुड़ने के रोग में क्रमशः 34. 31 और 34.47 प्रतिशत की कमी आई। बीकेएस मिश्रण से उपचार के बाद टहनियों के बढ़ने और पैदावार में वृद्धि जैसे विकास के मानदंडों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ते देखे गए। किसानों के खेतों में विभिन्न फसलों जैसे कपास, बैंगन, धान, मिर्च, टमाटर, अरंडी और राजमा पर किए गए बीस परीक्षणों का प्रदर्शन किया गया।

वैलिडेशन रिपोर्ट प्राप्त हुई

दो औषधीय अर्कों के डायबिटीज विरोधी गुणों की जाँच करने के लिए पीईआरडी सेंटर में विस्टर चूहों को 15 दिनों तक हर रोज 200 मिली ग्राम/किग्रा की डोज दी गई। रिपोर्ट में इन दोनों अर्कों में डायबिटीज विरोधी गुण विद्यमान होने की पुष्टि हुई। जाँच में बीमार जानवरों की तुलना में परीक्षण किये गये जानवरों के समूह के खून में ग्लूकोज की मात्रा में कमी पाई गई। इसके साथ ही उनके व्यवहार में कोई परिवर्तन नहीं देखा गया और न ही उनके मृत शरीरों के परीक्षण में किसी तरह की कोई असामान्यता पाई गई। पीईआरडी सेंटर में नर स्प्रैग डॉली चूहों को 15 दिन तक हर रोज 200 मिली ग्राम/किग्रा की डोज देकर दो औषधियों के उच्च रक्तचाप विरोधी गुणों की जाँच की गई। परीक्षण किये गये जानवरों की धमनियों के दबाव में गिरावट दर्ज की गई और किसी भी समूह के व्यवहार में कोई परिवर्तन नहीं देखा गया। साइनैप्स लाइफ साइंसेज, हैदराबाद में जख्मों के भराव और जलन रोधी हर्बल प्रणाली का आकलन किया गया। इस अर्क से चूहों के पंजों की सूजन में काफी कमी देखी गई। नतीजों के अनुसार कंट्रोल ग्रुप की तुलना में अर्क से उपचार किए गए जानवरों के जख्मों के संकुचन की दर अधिक थी। इसी तरह लुधियाना के पंजाब कृषि विश्वविद्यालय (पीएयू) और पंतनगर के गोविंद वलल्भ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (जीबीपीयूएटी) में दस हर्बल उत्पादों का आकलन किया गया। कंट्रोल ग्रुप की अपेक्षा हर्बल कीटनाशक कीटों की संख्या को कम करने में अधिक कारगर पाए गए। इसके साथ ही हर्बल ग्रोथ प्रमोटर के द्वारा पौधों की ऊँचाई, पैदावार और जैव ईंधन में भी बढ़ोत्तरी दर्ज की गई। इनमें से एक फॉरम्यूलेशन (जीसी) को जौ और बैंगन की फसलों में लगने वाले गोल कीड़ा (नेमटोड) विरोधी गुणों के परीक्षण के लिए बीकानेर के एस के राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में भेजा गया। अनुपचारित कंट्रोल भूखंडों की तुलना में इस फॉरम्यूलेशन से नेमटोड की संख्या काफी कम हो गई। इसके अलावा इस विश्वविद्यालय में आम की एक किस्म भी भेजी गई जो पत्तियों के झुलसने के रोग और अपरचना रोग के लिए असरदार पायी गई। नागपुर के डिपार्टमेंट ऑफ वेटेरिनरी क्लीनकल मेडिसिन में *Haemonchus contortus* से

गतिविधियाँ

संक्रमित बकरियों के अंतःजीवी संक्रमण की दो पद्धतियों की जाँच के नतीजे अंतःपरजीवी संक्रमण के उपचार में इस्तेमाल होने वाली दवा अलबैंडाजोल से मिलते–जुलते पाये गए। मद्रास पशु चिकित्सा कॉलेज में थनैला रोग के लिए जिम्मेदार जीवाणुओं *Pseudomonas*, *Klebsiella*, *E. coli*, *Staphylococcus* और Streptococcus की जाँच एवं पुष्टि की गई। दवा (MAAC) के इस्तेमाल के दो दिन के बाद ही थन और दूध की गुणवत्ता में सुधार देखा गया। बाह्यपरजीवी संक्रमण में इस्तेमाल की जाने वाली औषधि की जाँच की गई जिसमें उसके प्राकृतिक रूप से *Haemaphysalis bispinosa* से ग्रसित बकरियों और मवेशियों में *Hyalomma anatolicum* के उपचार में असरदार होने की पुष्टि की गई। Enteritis के उपचार के लिए इस्तेमाल की जाने वाली एक औषधि की जाँच के दौरान रोग के कारकों *Strongyle* sp., *Eimeria* sp. और सूक्ष्मजीवों जैसे *Campylobacter* sp., *E. Coli* और *Salmonella sp.* के उपचार में कारगर पायी गयी। जम्मू के पशुचिकित्सा विज्ञान कॉलेज में जवदपब लक्षणों, अज्ञात कारणों से होने वाले बुखार, अंतःजीवी संक्रमण और फोड़ों का चिकित्सीय परीक्षण किया गया और बॉम्बे पशु चिकित्सा कॉलेज में तीन बाह्यजीवी उपायों की जाँच की गई।

समेकित टिक कंट्रोल प्रोग्राम

गुजरात के गाँधीनगर जिले में एक सामुदायिक टिक कंट्रोल कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें दो दिनों तक गाँव के मवेशियों में संक्रमण की जाँच की गई। एक देशी उपाय से *Rhipicephalus* (*Boophilus*) *microplus* और *Hyalomma spp* के कारण होने वाले बाह्यपरजीवी संक्रमण को नियंत्रित करने में मदद मिलती है।

गुजरात में गाँधीनगर जिले के कस्बे इंदिरानगर में सामुदायिक साझेदारी से डायरिया रोधी उपायों की जाँच एवं पुष्टि

गाँववालों के सहयोग से समुदायों में अंतःजीवी संक्रमण के उपचार के लिए इस्तेमाल होने वाली दवाओं की जाँच की गई। रिसर्च टीम की जाँच में प्रभावित जानवरों में से 57.14 प्रतिशत जानवर बाह्यपरजीवियों से संक्रमित पाये गए। प्रयोगात्मक जाँच में दो औषधियों के इस्तेमाल से कीड़ों की संख्या में गिरावट देखी गई जिन्हें क्षेत्र परिस्थितियों में अंतःजीवी संक्रमण को नियंत्रित करने में प्रयोग किया जा सकता है।

पशु स्वास्थ्य और मुर्गीपालन के तौर–तरीकों की जाँच की नई परियोजनाएँ

नागपुर के डिपार्टमेंट ऑफ वेटेरिनरी ऑफ क्लीनिकल मेडिसिन और डिपार्टमेंट ऑफ वेटेरिनरी गाइनेकोलॉजी, नागपुर पशु चिकित्सा कॉलेज और महाराष्ट्र पशु एवं मत्स्य विज्ञान विश्वविद्यालय (MAFSU) में सूजन, जेर न गिरने और मदचक्र में न आने जैसे विकारोंके उपचार में इस्तेमाल की जाने वाली पशु चिकित्सा पद्धतियों की शुरूआत की गई। गाय–भैंसों में होने वाले एक सामान्य विषाणु–जनित अल्पकालिक बुखार की हिमाचल के पालमपुर में स्थित डॉ जीसी नेगी पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय में जाँच की गई। तमिलनाडू पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय में चिडियों में श्वास संबंधी संक्रमण को दूर करने के लिए मुर्गीपालन की देशी पद्धतियों की जाँच की जा रही है। इसके साथ ही कर्नाटक के पशु चिकित्सा और बिदर के पशु एवं मत्स्य विज्ञान विभाग में कीटाणुओं के संक्रमण से सुरक्षा के लिए पूरक आहार का आकलन किया जा रहा है।

ग). व्यवसाय विकास और सूक्ष्म उद्यम

सूक्ष्म उद्यम और व्यवसाय विकास निधि (एमवीआईएफ)

सूक्ष्म उद्यम और व्यवसाय विकास निधि द्वारा छह परियोजनाओं के लिए नवप्रवर्तकों को व्यापार के विकास के लिए आर्थिक सहयोग प्रदान किया गया। इसके साथ ही इसी वर्ष लगभग 14.5 लाख रूपयों का वितरण किया गया। इस वर्ष 13 लाख रूपयों की लागत वाली कई नई परियोजनाएँ स्वीकृत की गई हैं। इसके साथ ही लघु उपक्रम और व्यवसाय विकास निधि में पुनः भुगतान के लिए नवप्रवर्तकों से 28 लाख रूपयों की राशि प्राप्त की गई।

तृणमूल नवप्रवर्तकों को बाजार तक पहुँचाते हुए

बंगलौर आधारित कंपनी सनटैक एग्री इक्विपमेंट्स ने रानप्र के साथ 29 अप्रैल 2013 को एक समझौते पर हस्ताक्षर किये हैं। यह समझौता कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ में रहने वाले एक तृणमूल नवप्रवर्तक राघव गौड़ा की दूध दुहने की मशीन के व्यापार के लिए किया गया है। गौड़ा क्षीर उद्यम वर्तमान में दूध दुहने की मशीनों का निर्माण और विक्रय करता है जिसकी चार किस्में उपलब्ध है। ये चार किस्में इस प्रकार हैं– 1) मानवीय रूप से संचालित 2) एसी मोटर चालित सेमी ऑटोमेटिक सिंगल क्लस्टर 3) एसी मोटर चालित सेमी ऑटोमेटिक डबल क्लस्टर 4) 12 वोल्ट की बैटरी से चलने वाली सेमी ऑटोमेटिक। इस समझौते में कृषि के किफायती उपकरणों के आयातकर्ता और वितरक सनटैक एग्री इक्विपमेंट्स को भारत में व्यापार के विशेष अधिकार प्रदान किए गये हैं (आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र में छोड़कर)।

9 जुलाई 2013 को पुणे आधारित इनसाइन्स लाइफ साइंसेज प्रा लि और जयश्री फूड्स में एक नई संयुक्त उद्यम कंपनी के निर्माण के लिए करार हुआ है। इसमें विश्व भर में नुट्रास्युटिकल उत्पादों का उत्पादन एवं विपणन किए जाने की योजना है। इस प्रस्तावित गठबंधन में रानप्र उत्पादों के विकास की तकनीक प्रदान करेगा वहीं जयश्री फूड्स को इसके निर्माण की और इनसाइन्स लाइफ साइंसेज प्रा. लि. को देश–विदेश में व्यापार, ब्रांड विकसित करने और चालू आर्थिक सहयोग के लिए निवेश की जिम्मेदारी दी गई है। सभी न्यूट्रास्युटिकल उत्पाद प्रमुख कंपनी के स्वामित्व वाली एक नई ब्रांड के अंतर्गत बेचे जाएँगे। इस ब्रांड के नाम को फुटकर एवं औद्योगिक उत्पादों के लिए इस्तेमाल किया जाएगा।

इसके बाद ही न्यूट्रास्युटिकल सामग्री एवं खाद्य संबंधी उत्पादों के विकास, उत्पादन और व्यवसाय हेतु एक नई कंपनी युवान लौंग लाइफ प्रा. लि. का गठन किया गया। इसमें रानप्र द्वारा लिखित और प्रमाणित किए गए पारंपरिक ज्ञान का उपयोग किया जाएगा तथा इसमें रानप्र को कंपनी में 34 फीसदी की हिस्सेदारी दी जाएगी। प्रारंभ में युवान लौंग लाइफ प्रा लि ने चाय की छह किस्मों एंटी एजिंग, एंटी ओबेसिटी, एंटी इन्फलेमेटरी, एंटी हाइपरटैंसिव, एंटी डाइबेटिक और एंटी ऑक्सिडेंट को प्री–लॉंच किया। सभी औषधियों को काँगड़ा चाय में मिश्रित किया गया जिसमें एंटी ऑक्सीडेंट्स और कैटेचिन जैसे पॉलीफिनॉलिक की भरपूर मात्रा और कैफीन की कम मात्रा पायी जाती है। इसमें एक विशेष प्रकार का स्वाद और खुशबू होती है। चाय की इन किस्मों को दिसंबर 2013 को आईआईएम अहमदाबाद में आयोजित पारंपरिक खाद्य महोत्सव (फूड फेस्टिवल) और मार्च 2013 में राष्ट्रपति भवन में आयोजित नवप्रवर्तन प्रदर्शनी में प्रदर्शित किया गया।

3 दिसंबर 2013 को केरल राज्य मत्स्य विकास सहकारी संघ – मत्स्यफेड (MATSYAFED), रानप्र, कुरमोस मरीन इक्विपमेंट्स और बी. मोहनलाल (मरीन डीजल इंजनों के गियरबॉक्स और जी–ड्राइव के नवप्रवर्तक) के मध्य एक समझौते पर हस्ताक्षर किये गये। इसके बाद मत्स्यफेड से 70 लाख के मूल्य वाले ऐसे 100 सिस्टमों की खरीद का ऑर्डर दिया है।

वाराणसी के एक कृषि नवप्रवर्तक प्रकाश सिंह रघुवंशी द्वारा विकसित अरहर की एक किस्म कुदरत की श्रृंखला (कुदरत–3) और गेहूँ की किस्मों (कुदरत–17 और कुदरत–7) के उत्पादन और व्यवसाय के लिए आरती सीड्स रिसर्च एग्रीटेक प्रा लि के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) साइन किया गया। रघुवंशी को रानप्र द्वारा राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। उन्होंने गेहूँ, धान, सरसों और अरहर की अधिक उपज वाली किस्मों का विकास किया है। महाराष्ट्र के नागपुर में स्थित यह कंपनी आरती सीड्स रिसर्च एग्रीटेक प्रा लि विभिन्न फसलों की गुणवत्ता और उत्पादकता को बढ़ाने वाले बीजों का व्यवसाय करती है।

गन्ने का प्रसंस्करण करने वाली प्रमुख कंपनी धामपुर चीनी मिल ने उत्पादन और व्यवसाय के जरिये प्रौद्योगिकी

गतिविधियाँ

को बढ़ावा देने के लिए रानप्र के साथ सहयोग करना स्वीकार किया है। प्रथम चरण में रानप्र द्वारा धामपुर मिल को लगभग 100 नवप्रवर्तनों की एक सूची प्रदान की गई जिसमें से मिल द्वारा दूध दुहने की मशीन, मिट्टीकूल, गेहूँ की कुदरत किस्म के बीज, सरसों की किस्मों के बीज और कुछ अन्य हर्बल कृषि उत्पादों की खरीद की गई। धामपुर मिल द्वारा उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश से प्रारंभ कर संपूर्ण भारत में इसके विस्तार की योजना है।

उदीयमान होते गठबंधन

रानप्र द्वारा टाटा इंडस्ट्रीज को उद्योगों के आधार पर वर्गीकृत लगभग 100 नवप्रवर्तनों की जानकारी दी गई जिन्हें टाटा समूहों जैसे टाटा मोटर्स, टाटा कैमिकल्स, रैलिस इंडिया, टाटा पावर, इंडियन ग्रुप ऑफ होटल्स और टाटा स्टील के साथ साझा किया गया। इनमें से होटल उद्योग ने लहसुन छीलने के उपकरण, बहु–उद्देशीय खाद्य प्रसंस्करण उपकरण और चिकन ड्रैसिंग मशीन में दिलचस्पी प्रकट की है। टाटा पावर ने रायसिंह दहिया के साथ जैव–ईंधन (बायोमास) गैसीफायर को लेकर चर्चा प्रारंभ की है। इसके साथ ही टाटा कैमिकल्स ने न्यूट्रास्युटिकल उत्पादों पर चर्चा के लिए सहमति व्यक्त की है। टाटा स्टील सीएसआर पद्धति के लिए बाँस आधारित नवप्रवर्तनों पर विचार कर रही है। वहीं टाटा एग्रीको ने उड़ीसा के क्षेत्र में दिलचस्पी के कारण वहाँ से प्राप्त या संबंधित नवप्रवर्तनों के संबंध में जानकारी का आग्रह किया है। टाटा एग्रीको कृषि उपकरणों के क्षेत्र में रानप्र के साथ पहले ही काम कर रहा है। इसके साथ ही वह मध्य प्रदेश के नवप्रवर्तक रौशनलाल विश्वकर्मा द्वारा विकसित किए गए गन्ने की आँख निकालने के उपकरण की ब्रांडिंग और व्यवसाय के लिए भी काम कर रही है। रानप्र अभी गोदरेज एग्रोवेट और जाइडस कैडिला के साथ सहयोगी परियोजनाएँ शुरू करने के विषय में विचार–विमर्श कर रहा है।

रानप्र ने 14 से 27 नवंबर तक नई दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में भाग लिया। इस प्रदर्शनी में 8 नवप्रवर्तन और 15 पारंपरिक ज्ञान पर आधारित मानवीय और कृषि के हर्बल उत्पादों का प्रदर्शन किया गया। इस प्रदर्शनी में शामिल दर्शकों ने रानप्र के नवप्रवर्तनों के प्रति अच्छी प्रतिक्रिया व्यक्त की। मेले के दौरान लगभग 10 लाख रूपयों के मूल्य वाले नवप्रवर्तक उत्पादों की बिक्री हुई और उनके संबंध में 150 से भी अधिक जानकारियाँ माँगी गईं।

14 दिसंबर, 2014 को रानप्र की टीम ने देश भर के प्रमुख उपक्रमों की दूसरी पीढ़ी वाले युवा प्रतिनिधि मंडल (यंग प्रेजीडेन्ट्स ऑर्गनाइजेशन) के सदस्यों से बातचीत की, जिसमें विविध उद्योगों के 70 से भी अधिक उद्यमी शामिल थे। इसमें शामिल होने का मुख्य उद्देश्य था लोगों को रानप्र की गतिविधियों और तृणमूल नवप्रवर्तन अभियान के विषय में जानकारी देना। रानप्र ने 21 से 23 दिसंबर 2013 तक सृष्टि द्वारा आईआईएम अहमदाबाद के नये कैंपस में आयोजित ग्यारहवें पारंपरिक खाद्य महोत्सव (फूड फेस्टिवल) सात्विक में भी भाग लिया। यहाँ पर रानप्र द्वारा तृणमूल नवप्रवर्तनों की एक प्रदर्शनी भी लगाई गई। दर्शकों से सीट वाले ट्रैवलिंग बैग, माइलेज बढ़ाने वाले और एडजस्टेबल वॉकर के संदर्भ में उनकी प्रतिक्रया जानने की भी कोशिश की गई। यह प्रतिक्रियाएँ मूल्य परिवर्धन की प्रक्रिया और व्यवसाय योजना की तैयारी की दृष्टि से काफी अहम समझी जा रही हैं। इस प्रदर्शनी के अंतर्गत परेश पांचाल द्वारा निर्मित अगरबत्तियाँ बनाने वाली तीन मशीनों के संग्रह, शालिनी कुमारी द्वारा विकसित एडजस्टेबल पैरों वाले वॉकर, मोहन मुक्ताजी लांब के उन्नत छिड़काव के स्प्रेयर, और मोहम्मद रोजादीन के कॉफी मेकर का प्रदर्शन किया गया। इसके साथ ही मुश्ताक अहमद दार के अखरोट तोड़ने वाले उपकरण , स्वर्गीय अप्पाचन के पेड़ों पर चढ़ने वाले उपकरण, निशा चौबे के एडजस्टेबल गद्दी वाले ट्रैवलिंग बैग, हरिनारायण प्रजापति के माइलेज वर्धक और एन. स्वामिनाथन के पानी उठाने के उपकरणों का भी प्रदर्शन किया गया। रानप्र के व्यवसाय विकास (बीडी) दल ने 9 से 13 फरवरी 2014 के दौरान नागपुर के केंद्रीय कपास शोध संस्थान (सीआईसीआर) में हुए कृषि वसंत आयोजन कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस आयोजन में उन्होंने पौधों की किस्मों, कृषि उपकरणों, मानव, कृषि और पशु स्वास्थ्य संबंधी हर्बल उत्पादों सहित 20 प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन

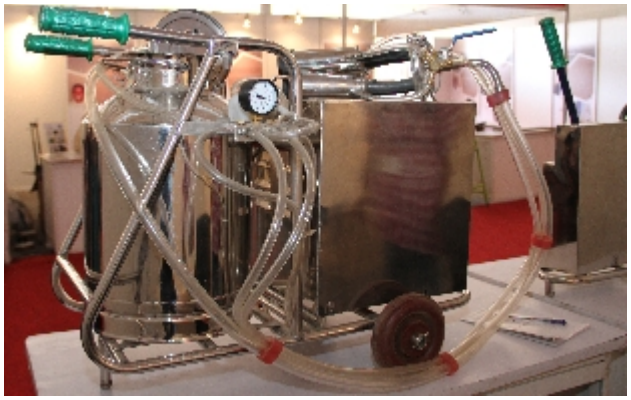

किया। रानप्र ने औरंगाबाद में 22 से 23 फरवरी 2013 तक महाराष्ट्र चैंबर ऑफ कॉमर्स के द्वारा आयोजित 'आधुनिक खेती आवाम अन्न प्रक्रिया' प्रदर्शनी में भी हिस्सा लिया। इन प्रदर्शनियों के द्वारा नवप्रवर्तनों के प्रसार का एक अच्छा अवसर प्राप्त हुआ। साथ ही इन प्रदर्शनियों में लाखों रूपयों के मूल्य वाले कई नवप्रवर्तक उत्पाद बेचे गए। इसके साथ ही कई नवप्रवर्तकों को अपने नवप्रवर्तनों के लिए एडवांस बुकिंग धनराशि और पक्के ऑर्डर भी प्राप्त किये।

घ) बौद्धिक संपदा अधिकार प्रबंधन

इस वित्तीय वर्ष के दौरान विभिन्न कानूनी फर्मों की सार्वजनिक हितार्थ (प्रो बोनो) मदद से कुल 68 पेटेंट आवेदन फाइल किए गए। जिसमें संपूर्ण विवरण (सीएस) आवेदन और प्रोविजनल विवरण (पीएस) आवेदन शामिल हैं। पहले फाइल किए गए पीएस आवेदनों के 34 सीएस आवेदन, एक ट्रेडमार्क आवेदन जमा किए गए और पेटेंट सहयोग संधि (पीसीटी) के तहत एक आवेदन फाइल किया गया। किसानों द्वारा विकसित की गई पौधा किस्मों के संरक्षण हेतु पीपीवीएंडएफआरए के तहत भी एक आवेदन फाइल किया गया।

"बैक्टीरिया जनित संक्रमण की रोकथाम एवं उपचार" के तहत एक पेटेंट आवेदन वैद्य स्व. श्री शत्रुघ्न प्रसाद वैद्य (झारखंड) के नाम से यूएसपीटीओ में फाइल किया गया था। यह पेटेंट 21 मई 2013 को प्राप्त हो चुका है (पेटेंट नंबर 8445033)। किसी वैद्य के ज्ञान पर आधारित यह ऐसा पहला हर्बल यूएस पेटेंट है जिसे पाने में रानप्र को सफलता प्राप्त हुई है।

ङ) सूचना प्रौद्योगिकी

संचार और डेटा अंतरण को सुरक्षित एवं सुविधाजनक बनाने के लिए रानप्र कार्यालय के आंशिक स्थानांतरण के भाग के रूप में, गाँधीनगर में अमरापुर के पास, रानप्र के अहमदाबाद और ग्राम–भारती परिसर के बीच एक ऑनलाइन वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क (वीपीएन) स्थापित किया गया।

हनी बी हर्बल डेटाबेस के लिए एक एंड्रायड स्मार्ट फोन एप्लिकेशन विकसित किया गया और उसकी जाँच की जा रही है। एक आईटी स्वयंसेवी फर्म की मदद से, एक मोबाइल आधारित विचार प्रस्तुति एप्लिकेशन विकसित किया गया जहाँ स्मार्टफोन के उपयोगकर्ता, जब भी कोई विचार उनके मन में उभरे, तो बस उसे टाइप करके प्रस्तुत कर सकते हैं। प्रस्तुत विचारों को नामित ई–मेल में प्राप्त और एक ऑनलाइन डेटाबेस में जमा किए जाएँगे। वर्तमान में सिस्टम का परीक्षण किया जा रहा है।

रानप्र की वेबसाइट के लिए क्यूआर (क्विक रेस्पॉन्स या त्वरित प्रतिक्रिया) कोड, विचारों की ऑनलाइन प्रस्तुति, राष्ट्रीय द्विवार्षिक और इग्नाइट अभियान और कुछ नवप्रवर्तन वीडियो तैयार किए गए हैं और पोस्टर, पैम्फलेट तथा अन्य मुद्रित सामग्री में इस्तेमाल किए जा रहे हैं। ये क्यूआर कोड, जब किसी स्मार्ट फोन के क्यूआर कोड स्कैनर का उपयोग करते हुए स्कैन किए जाते हैं, तब वह उपयोगकर्ता को सीधे वेब पते पर ले जाते हैं जहाँ वह ऑनलाइन जानकारी या वीडियो देखने में सक्षम हो जाता है।

रानप्र ने राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र (एनआईसी) और भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलूर द्वारा संयुक्त रूप से 17–19 अक्तूबर, 2013 के दौरान भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी), बेंगलूर में आयोजित द्वितीय (राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क) वार्षिक कार्यशाला में भाग लिया। कार्यशाला का उद्देश्य 'एनकेएन के माध्यम से अनुसंधान सहयोग का संवर्धन' पर ध्यान केंद्रित करना था।

च) सूचना प्रसार और सामाजिक प्रसार

भागीदारी

रानप्र ने गुजरात लाइवलीहुड प्रमोशन कंपनी, यूनिसेफ और सृष्टि की साझेदारी के साथ 06–07 दिसंबर, 2013 के दौरान आईआईएम अहमदाबाद में गुजरात के समरस महिला सरपंचों की एक कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का उद्देश्य ग्राम अर्थव्यवस्था के समग्र विकास में नवप्रवर्तन की भूमिका, मानव स्वास्थ्य और पशु चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में दवाओं की सामान्य प्रथाओं

गतिविधियाँ

समरस महिला सरपंच कार्यशाला

का प्रसार, ओपन सोर्स प्रौद्योगिकी, वाणिज्यिक प्रौद्योगिकियों के बारे में महिला सरपंचों को शिक्षित करना और उन्हें इस तरह की तकनीकों के उपयोग द्वारा आजीविका के अवसर पैदा करने, तृणमूल स्तर पर रचनात्मकता और नवप्रवर्तन को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित करना था। एक अनुवर्ती गतिविधि के रूप में जीएलपीसी के समन्वयन के साथ विभिन्न गाँवों में कई कार्यशालाओं का आयोजन किया गया, जहाँ रानप्र के बारे में प्रस्तुतीकरण किया गया और कुछ उपयोगी नवप्रवर्तन प्रदर्शित किए गए।

रानप्र और इफ्को किसान संचार लिमिटेड (आईकेएसएल) के बीच, देश भर में नवप्रवर्तन और नवप्रवर्तन तरीकों के प्रचार–प्रसार हेतु सहयोग विकसित करने के लिए 20 फरवरी, 2014 को परस्पर सहमति हुई।

तृणमूल नवप्रवर्तन प्रदर्शनी एवं प्रदर्शन वाहन

रानप्र द्वारा खोज, दस्तावेजीकरण, प्रसंस्करण और तृणमूल नवप्रवर्तन के प्रसार के लिए मल्टीमीडिया मोबाइल प्रयोगशाला–सह–प्रदर्शनी वाहन की सेवा को हरी झंडी दिखाई गई। वाहन से नवप्रवर्तन हेतु गाँवों में प्रदर्शनी की स्थापना और अन्य प्रचार–प्रसार सामग्री ले जाने के लिए देश भर में यात्रा करने की उम्मीद की जा रही है।

प्रदर्शनी

छात्र स्वयंसेवक की मदद से 14–22 सितंबर 2013 के दौरान लंदन में आयोजित लंदन डिजाइन महोत्सव में तीन नवप्रवर्तन, मोहम्मद रोजादीन (बिहार) का कॉफी कुकर, मनसुख प्रजापति (गुजरात) का मिट्टीकूल फ्रिज और नॉन–स्टिक तवा प्रदर्शित किया गया। आगंतुकों ने तृणमूल नवप्रवर्तकों के काम की काफी सराहना की।

रानप्र ने 8–10 अक्टूबर, 2013 को प्रगति मैदान, नई दिल्ली में आयोजित डीएसटी के इन्स्पायर राष्ट्रीय शिविर में भाग लिया जहाँ देश के एक हजार उत्तम रचनात्मक छात्रों ने अपनी विज्ञान आधारित परियोजनाओं के साथ भाग लिया। रानप्र ने फोल्डिंग सीट सहित ट्रैवलिंग बैग और लगेज सपोर्ट सहित हेलमेट जैसे कुछ छात्र नवप्रवर्तनों को प्रदर्शित किया और इग्नाइट 14 अभियान और रानप्र से संबंधित साहित्य का वितरण किया।

रानप्र ने जम्मू में जम्मू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित भारतीय विज्ञान कांग्रेस 2014 में तृणमूल नवप्रवर्तकों की भागीदारी को सुगम बनाया। उन्होंने नवप्रवर्तन मंडप स्थापित किया जहाँ 10 राज्यों से 18 नवप्रवर्तकों ने अपने नवप्रवर्तन प्रदर्शित–निरूपित किए। इसके अतिरिक्त और चौदह नवप्रवर्तन प्रदर्शित किए गए और देश के हर कोने से लोगों की रचनात्मकता का प्रदर्शन करने के प्रयास में समारोह स्थल पर बारह दर्जन नवप्रवर्तनों की एक पोस्टर प्रदर्शनी भी आयोजित की गई। जम्मू एवं कश्मीर के

गतिविधियाँ

कश्मीर विश्वविद्यालय में रानप्र के ज्ञान कक्ष ने सक्रिय रूप से गतिविधि का समर्थन किया। यह भारतीय विज्ञान कांग्रेस का 101वाँ वार्षिक सत्र था जिसने 'समावेशी विकास के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नवप्रवर्तन' विषय पर ध्यान केंद्रित किया।

मीडिया

इग्नाइट पुरस्कार विजेताओं की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए जी क्यू चैनल पर टीनोवेशन शो (2012–13) ने 12वें इंडियन टेली अवार्ड्स 2013 में सर्वश्रेष्ठ शिक्षा–मनोरंजन–ज्ञान आधारित शो के लिए पुरस्कार जीता। दूसरे सत्र के लिए शूटिंग फरवरी में शुरू हुई। जी क्यू चैनल के लिए रंगरेज फिल्म द्वारा तैयार शो, प्री ज्युनेस अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार 2014 में भी फाइनलिस्ट था।

तृणमूल नवप्रवर्तन आंदोलन पर भारतीय कूटनीति पहल के तहत लोक सेवा प्रसारण ट्रस्ट द्वारा एक वृत्तचित्र कमीशन किया गया। इसमें तृणमूल नवप्रवर्तक मनसुखभाई प्रजापति, चिंताकिंडी मल्लेशम, अमृतभाई अग्रावत, भरतभाई अग्रावत, धर्मवीर कम्बोज, मुश्ताक और मेहतर हुसैन, और अन्य प्रमुख रूप से शामिल थे। यह निम्नलिखित लिंक पर ऑनलाइन उपलब्ध है –

http://www.youtube.com/watch?v=qo2PQ9v9aGM

जापान के सरकारी प्रसारक एनएचके ने भारत पर अपने एक शो में मनसुखभाई प्रजापति, धर्मवीर कम्बोज और अभिषेक भगत जैसे कुछ तृणमूल नवप्रवर्तकों के रेखा–चित्र प्रस्तुत किए।

अक्तूबर–दिसंबर 2013 के दौरान भारत के द टाइम्स ऑफ इंडिया ने अपने अहमदाबाद संस्करण में इंडिया इनोवेट्स नामक तृणमूल नवप्रवर्तन पर एक शृंखला प्रकाशित की, जिसमें कई तृणमूल नवप्रवर्तकों के काम की रूपरेखा प्रस्तुत की गई।

तृणमूल नवप्रवर्तकों का सम्मान

कई छात्र और तृणमूल नवप्रवर्तकों ने अपनी रचनात्मकता के लिए मान्यता प्राप्त की, जिनमें शामिल हैं झुकाने योग्य जी ड्राइव और समुद्री इंजन के लिए गियर बॉक्स के नवप्रवर्तक बी मोहनलाल (केरल), जिन्होंने अपने नवप्रवर्तनों के लिए 20 लाख रुपये का भारतीय मर्चेंट्स चैम्बर्स (आईएमसी) समावेशी इनोवेशन अवार्ड 2013 जीताय स्वचालित साड़ी बॉर्डर बाना प्रविष्टि तकनीक के नवप्रर्वतक पीएल भानुमूर्ति (तमिलनाडु), जिन्होंने पीएसजी छात्र संघ द्वारा कोयंबत्तूर में आयोजित एक राष्ट्रीय

भारतीय विज्ञान कांग्रेस २०१४

आगे कदम बढ़ाते हुए

कार्यक्रम में देश भर के 1500 नामांकनों में प्रथम पुरस्कार जीता; छात्र नवप्रर्वतक मोहम्मद उस्मान हनीफ पटेल (महाराष्ट्र), जिसने महिला एवं बाल विकास मंत्रालय से तकनीकी नवप्रवर्तन के क्षेत्र में अपनी उपलब्धि के लिए राष्ट्रीय बाल असाधारण उपलब्धि पुरस्कार 2013 प्राप्त किया; छात्र नवप्रर्वतक पार्थ वैद्य (मध्य प्रदेश), जिसने इटली के वर्ल्ड यूथ फोरम 2013 में पानी के मुद्दे और संवहनीय शहरों पर अपने आलेख के लिए पुरस्कार जीता; छात्र नवप्रर्वतक ज्योति रंजन साहू (ओडिशा), जिन्हें विकलांग लोगों के अंतर्राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर विज्ञान भवन में विकलांग व्यक्तियों के जीवन में सुधार लाने के उद्देश्य से सर्वश्रेष्ठ अनुप्रयुक्त अनुसंधान और नवप्रवर्तन हेतु माननीय भारत के राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित किया गया।

कार्य–निष्पादन प्रबंधन प्रभाग (पीएमडी), मंत्रिमंडल सचिवालय के साथ आईआईएफटी, नई दिल्ली में आयोजित सरकार में नवप्रवर्तन पर कार्यशाला

सरकार में अभिनव सोच को बढ़ावा देने वाले साधन के रूप में परिणाम फ्रेमवर्क दस्तावेज (आपएफडी) का उपयोग करने के लिए, कैबिनेट सचिव की अध्यक्षता में सरकारी कार्य–निष्पादन संबंधी उच्चाधिकार प्राप्त समिति (एचपीसी) में 2012–2013 के लिए सभी आरएफडी हेतु नवप्रवर्तन से संबंधित अनिवार्य सफलता सूचक शामिल किया गया। इस सफलता सूचक के तहत, आरएफडी तैयार करने वाले सभी विभागों को लिए आवश्यक है कि वे अपने संबंधित विभागों में नवप्रवर्तन सक्षम करने के लिए एक कार्य योजना तैयार और लागू करें।

नवप्रवर्तन के लिए एक कार्य योजना बनाने में विभागों की सहायता करने के लिए, सरकार में नवप्रवर्तन हेतु कार्य योजनाएँ तैयार करने पर 5, अप्रैल 2013 को आईआईएफटी, नई दिल्ली में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें अपने कुछ वरिष्ठ सहयोगियों के साथ विभागीय सचिवों ने भाग लिया। रानप्र टीम ने विभिन्न विभागों के लिए नवप्रवर्तन हेतु कार्य योजना विकसित करने पर मंथन सत्र के संचालन में पीएमडी को सहायता प्रदान की।

पुणे में 'सामाजिक नवप्रवर्तन' पर कार्यशाला

रानप्र ने 17 नवंबर, 2013 को पुणे में समावेशी विकास के लिए सामाजिक नवप्रवर्तन पर प्रथम राष्ट्रीय संगोष्ठी के आयोजन में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, अहमदाबाद को समर्थन दिया। इस प्रयास में शामिल होने वाले अन्य सहभागी थे पुणे इंटरनेशनल सेंटर (पीआईसी), पुणे, अंतर्राष्ट्रीय दीर्घायु केंद्र, भारत (आईएलसी, भारत), सृष्टि और हनी बी नेटवर्क। इसका उद्देश्य देश भर में सामाजिक उद्यमियों के लिए एक मंच तैयार करना और नागरिक समाज, प्रौद्योगिकी तथा शिक्षा से संबंधित मुद्दों और सरोकारों पर अपना ज्ञान साझा करने योग्य सामाजिक नवप्रवर्तकों का डेटाबेस तैयार करना है।

हमारे समाज में कई सामाजिक आवश्यकता अंतराल मौजूद है, जिन्हें एक सहयोगी और स्थाई तरीके से तत्काल भरने की जरूरत है। कार्यशाला के दौरान बाजार, नागरिक समाज, राज्य संस्थान और यहाँ तक कि निगमों में भी सामाजिक कल्पना को विस्तृत करने वाले विभिन्न उपक्रमों पर चर्चा की गई। कार्यशाला में डॉ.आर.ए. माशेलकर और डॉ. विजय केलकर उपस्थित हुए, जिन दोनों की सामाजिक नवप्रवर्तन नीति और संस्थागत डिजाइन में दीर्घकालिक दिलचस्पी और भागीदारी रही है। सार्वजनिक, निजी और सामाजिक क्षेत्रों के प्रतिष्ठित प्रतिभागियों ने सामाजिक, नीति और संस्थागत नवप्रवर्तन और भावी मार्ग पर चर्चा की।

आगे कदम बढ़ाते हुए

राष्ट्रपति कार्यालय में नवप्रवर्तन पहल

भारत के माननीय राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी ने समाज में विभिन्न स्तरों पर समावेशी नवप्रवर्तनों के कल्याण पर विशेष ध्यान देने का निर्णय लिया है। फरवरी 2013 के दौरान विभिन्न राज्यों के राज्यपालों केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपतियों और एनआईटी के निदेशकों के साथ बैठक में उन्होंने कहा कि वे केंद्रीय विश्वविद्यालय और एनआईटी की अपनी यात्राओं के दौरान तृणमूल नवप्रवर्तकों से मिलना चाहते हैं। वे छात्रों को खोज, नवप्रवर्तन का प्रसार–प्रचार, और समाज के लिए जरूरी आवश्यकताओं को समझने के प्रयास को बढ़ावा देने के लिए नेशनल इनोवेशन क्लब के खंडों का भी उद्घाटन करेंगे। शिक्षण के साथ नवप्रवर्तनों को जोड़ने की आवश्यकता के मद्दे नजर, वे प्रेरित शिक्षकों से भी मिलेंगे। रानप्र ने इस उद्देश्य के लिए पृष्ठभूमि नोट्स तैयार करने में मदद की।

10 मई 2013 को लखनऊ के बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय नवप्रवर्तन क्लब के उद्घाटन से शुरूआत करते हुए, माननीय राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी ने प्रत्येक विश्वविद्यालय और कॉलेज में ऐसे क्लबों की स्थापना के लिए शैक्षिक समुदाय का आह्वान किया। इन क्लबों का उद्देश्य औपचारिक और अनौपचारिक क्षेत्र को जोड़ते हुए स्थानीय नवप्रवर्तकों का हाथ थाम कर सहायता करना है।

राष्ट्रपति के दौरे के पार्श्व में मध्यप्रदेश को छोड़ कर, जहाँ समय की कमी थी, हर केंद्रीय विश्वविद्यालय में एक नवप्रवर्तन प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। अपनी यात्रा के दौरान राष्ट्रपति ने नेशनल इनोवेशन क्लब का उद्घाटन किया और क्लब के सदस्यों से मुलाकात की। बाद में उन्होंने, नवप्रवर्तन प्रदर्शनी का दौरा किया, स्थानीय नवप्रवर्तकों से भेंट की और उनके काम की सराहना की, जिसने नवप्रवर्तकों को अत्यधिक प्रेरित और प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर केंद्रीय विश्वविद्यालय के सहयोग से नवप्रवर्तनों का ब्यौरा देते हुए एक लघु पुस्तिका भी तैयार की गई। पुस्तिका में जिन नवप्रवर्तकों की रूपरेखा शामिल थी, उनमें कुछ औपचारिक क्षेत्र से भी थे और जिन्हें विश्वविद्यालयों द्वारा मान्यता दी गई। माननीय राष्ट्रपति की यात्रा के लिए, रानप्र ने बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश में 10 मई, 2013 को, असम विश्वविद्यालय, सिलचर, असम में 14 मई, 2013 को, नागालैंड विश्वविद्यालय, लुमामी, नागालैंड में 15 मई, 2013 को, त्रिपुरा विश्वविद्यालय, पश्चिम त्रिपुरा, त्रिपुरा में 20 जून, 2013 को और केंद्रीय विश्वविद्यालय राजस्थान, अजमेर में 9 जुलाई, 2013 को नवप्रवर्तन प्रदर्शनियों और नेशनल इनोवेशन क्लब की स्थापना में मदद की।

भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा प्रवर्तित नवप्रवर्तन विद्वानों के लिए अभिनव 'रिहाइशी' कार्यक्रम

11 दिसंबर, 2013 को माननीय राष्ट्रपति ने लेखकों, कलाकारों और नवप्रवर्तन विद्वानों के लिए राष्ट्रपति भवन में एक 'रिहाइशी' कार्यक्रम का शुभारंभ किया, जो तृणमूल नवप्रवर्तन को और गति प्रदान करेगा। राष्ट्रपति भवन में उनके प्रवास के दौरान माननीय राष्ट्रपति उन्हें प्रेरित करने के लिए उनके साथ बातचीत करेंगे। इन साथियों को भी राष्ट्रीय नवप्रवर्तन क्लब के माध्यम से जानी गई अतृप्त सामाजिक जरूरतों को पूरा करने की चुनौती दी जा सकती है। रानप्र से अपेक्षा है कि वह इन गतिविधियों के लिए चौकस समर्थन प्रदान करे।

मार्च 2014 में, राष्ट्रपति की इस योजना के अधीन रानप्र के राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता और तृणमूल नवप्रवर्तक, गुरमेल सिंह धोंसी (गंगानगर, राजस्थान; तेजी से खाद बनाने की मशीन और पेड़ की काट–छाँट करने की कैंची के नवप्रर्वतक), धर्मवीर कम्बोज (यमुनानगर, हरियाणा; बहुउद्देश्यीय प्रसंस्करण मशीन के नवप्रर्वतक) और टेनिथ आदित्य (विरुदुनगर, तमिलनाडु के इग्नाइट पुरस्कार विजेता; समायोज्य इलेक्ट्रिसिटी एक्सटेंशन बोर्ड और केले के पत्ते की प्रौद्योगिकी के नवप्रर्वतक) को नवप्रवर्तक विद्वानों के रूप में चुना गया। इसके अतिरिक्त, सृष्टि टेकपीडिया के गाँधीवादी युवा प्रौद्योगिकी नवप्रवर्तन पुरस्कार विजेता, सोसायटी दोहन उपकरण (एसएचई) विकसित करने वाले मनीषा मोहन और स्वतः सफाई कार्यात्मक आण्विक सामग्री विकसित करने वाले एम.बी. अविनाश का भी चयन किया गया। इस अवधि के दौरान, ये नवप्रवर्तक आगे और अनुसंधान और विकास कार्य तथाउनके नवप्रवर्तनों के प्रसार के लिए यथा संभव समर्थन प्राप्त करने के लिए संबंधित मंत्रालयों, अनुसंधान संस्थानों, आदि के साथ परस्पर बातचीत करेंगे।

भारत के माननीय उप–राष्ट्रपति श्री एम. हामिद अंसारी के साथ बैठक

5 अप्रैल, 2013 को नई दिल्ली में प्रो. अनिल गुप्ता, कार्यकारी उपाध्यक्ष और डॉ. विपिन कुमार, मुख्य नवप्रवर्तन अधिकारी द्वारा माननीय उप–राष्ट्रपति को

आगे कदम बढ़ाते हुए

रानप्र की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई। यह समझाया गया कि किस प्रकार तृणमूल नवप्रवर्तन देश के समावेशी विकास के एजेंडे में योगदान दे सकता है। माननीय उपराष्ट्रपति को 24 जनवरी, 2013 को माननीय राष्ट्रपति के साथ संपन्न बैठक के बारे में भी जानकारी दी गई, जिसके परिणामस्वरूप, केंद्रीय विश्वविद्यालयों में नेशनल इनोवेशन क्लब की स्थापना, प्रेरित शिक्षकों की नेटवर्किंग, केंद्रीय विश्वविद्यालय में माननीय राष्ट्रपति के दौरे के समय सांस्कृतिक रचनात्मकता और तृणमूल नवप्रवर्तनों की प्रदर्शनी को बढ़ावा देकर नवप्रवर्तनों के प्रोत्साहन के लिए विचारों को आगे बढ़ाया गया। माननीय उप–राष्ट्रपति ने तृणमूल नवप्रवर्तनों के व्यापक प्रसार–प्रचार के लिए राज्यसभा टी.वी. के मंच के उपयोग का सुझाव दिया, जो रानप्र को तृणमूल नवप्रवर्तकों और छात्रों के विचार और नवप्रवर्तनों को प्राप्त करने में भी सहायक हो सकते हैं।

संस्थागत नीतियाँ

राजभाषा नीति: सरकार की राजभाषा नीति के क्रियान्वयन के लिए, रानप्र ने नीति के अनुरूप काफी कुछ कदम उठाए हैं। रानप्र के सभी पोस्टर और प्रचार–प्रसार सामग्री हिंदी और अंग्रेजी, दोनों में उपलब्ध हैं। प्रयास किया जा रहा है कि सभी अन्य प्रकाशनों को हिन्दी में और साथ ही साथ, अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में तैयार किया जाए। रानप्र हिन्दी भाषी क्षेत्र में तृणमूल नवप्रवर्तनों के बारे में सृष्टि इनोवेशंस के हिन्दी प्रकाशन, 'सूझ बूझ आस पास की' के प्रचार–प्रसार का भी समर्थन करता है।

इसके अतिरिक्त, रानप्र क्षेत्रीय भाषाओं को बढ़ावा देने का भी ठोस प्रयास करता है। रानप्र द्वारा स्थानीय भाषा में प्राप्त सभी पत्रों का उसी भाषा में जवाब दिया जाता है। इसके लिए अनुवादकों की सेवाएँ प्राप्त की जाती हैं। रानप्र व्यापक प्रचार–प्रसार के लिए छह क्षेत्रीय भाषाओं में, यथा उडिया, तेलुगु, तमिल, कन्नड़, मलयालम और गुजराती में न्यूजलेटर के प्रकाशन का भी समर्थन करता है।

प्रशासनिक मामले

स्टाफ की भर्ती

- नवप्रवर्तन अधिकारी–वैज्ञानिक सी के पद के लिए 16 जुलाई, 2013 साक्षात्कार आयोजित किया गया। साक्षात्कार समिति ने श्री हरदेव चौधरी के चयन की सिफारिश की, जिन्होंने प्रस्ताव स्वीकार किया और रानप्र में कार्यभार ग्रहण किया।

- फैलो, रिसर्च एसोशिएट, मैनेजर आदि पदों के लिए 18–19 जुलाई, 2013 को साक्षात्कार का आयोजन किया गया और 29 उम्मीदवारों का चयन किया गया।

- डॉ. रविकुमार, आर.के., वरिष्ठ नवप्रवर्तन अधिकारी/वैज्ञानिक डी और श्री राकेश माहेश्वरी, नवप्रवर्तन अधिकारी/वैज्ञानिक सी के एसीआर की समीक्षा के लिए विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) की बैठक 20 नवंबर, 2013 को आयोजित की गई। समिति ने दोनों के स्थायीकरण की सिफारिश की। अध्यक्ष के अनुमोदन के बाद, उनके कार्यभार–ग्रहण दिनांक से प्रभावी डॉ. रविकुमार आर.के. और श्री राकेश माहेश्वरी, दोनों की क्रमशः वरिष्ठ नवप्रवर्तन अधिकारी/वैज्ञानिक डी और नवप्रवर्तन अधिकारी/वैज्ञानिक सी के रूप में संपुष्टि की गई।

- डॉ. विपिन कुमार, वैज्ञानिक जी/निदेशक के एसीआर की समीक्षा के लिए विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) की बैठक 29 मार्च, 2014 को आयोजित की गई। समिति ने डॉ. विपिन कुमार के स्थायीकरण की सिफारिश की। अध्यक्ष के अनुमोदन के बाद, कार्यभार–ग्रहण दिनांक से प्रभावी रानप्र के वैज्ञानिक जी/निदेशक के रूप में डॉ. विपिन कुमार की संपुष्टि की गई।

सरकार से संबंधित गतिविधियाँ

रानप्र ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग को वित्तीय वर्ष 2013–14 के लिए वार्षिक समीक्षा विवरणी हिंदी और अंग्रेजी में, वित्तीय वर्ष 2012–13 के लिए अर्द्धवार्षिक कार्य–निष्पादन प्रदर्शन रिपोर्ट, 2013–14 के लिए डीएसटी की वार्षिक रिपोर्ट के लिए सामग्री, वित्तीय वर्ष 2014–15 के लिए बजट अनुमान, स्वायत्त संस्थाओं का संग्रह 2008–13 के लिए डेटा प्रस्तुत किया।

स्वैच्छिक कार्यकर्ताओं को आमंत्रण

प्रतिवेदन के तहत अभिव्यक्त गतिविधियों से यह स्पष्ट है कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग का एक अभिन्न हिस्सा होने के बावजूद, रानप्र ने अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के

आगे कदम बढ़ाते हुए

लिए सभी क्षेत्रों और कार्यों में स्वैच्छिक कार्यकर्ताओं को शामिल करना जारी रखा है। रानप्र हमेशा ही हनी बी नेटवर्क के दर्शन से प्रेरित स्वैच्छिक कार्यकर्ताओं की तलाश में रहता है जो तृणमूल नवप्रवर्तनों और विशिष्ट पारंपरिक ज्ञान के इर्द–गिर्द मौजूद मूल्य शृंखला के किसी भी पहलू में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने के इच्छुक हों। इच्छुक सहयोगी रानप्र को इस बारे में info@nifindia.org पर लिख सकते हैं और खोज एवं दस्तावेजीकरण, स्कूल में पढ़ने वाले या स्कूल के बाहर मौजूद बच्चों के विचारों और नवप्रवर्तनों को एकत्र करने, अनौपचारिक क्षेत्र, ग्रामीण क्षेत्र या शहरी अनौपचारिक क्षेत्रों से नवप्रवर्तनों को खोजने, मूल्य परिवर्धन, प्रमाणीकरण, व्यवसाय विकास, प्रसार, मीडिया रणनीति तैयार करने, उत्पादों को डिजाइन करने, पेटेंट या ट्रेडमार्क दायर करने, आलेख लिखने, फिल्में बनाने, या प्रत्येक गर्मी एवं जाड़े में होने वाली शोधयात्राओं के दौरान हनी बी नेटवर्क के स्वैच्छिक कार्यकर्ताओं के साथ मिल कर पदयात्रा करने में, अपना योगदान देकर भारत को नवप्रवर्तनशील बनाने के इस विशाल प्रयास में शामिल होने की पेशकश कर सकते हैं।

वहनीयता की तलाश

तुलनपत्र
2013–14

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान – भारत

स्वतंत्र लेखा परीक्षक की रिपोर्ट

सेवा में, शासी निकाय, राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान-भारत,

बंबई सार्वजनिक न्यास अधिनियम, १९५० के तहत पंजीकृत एक न्यास, पंजीकरण सं. का नाम : एफ/७४१२/अहमदाबाद

सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, १८६० के तहत पंजीकृत एक संस्था, पंजीकरण सं. – जीयूजे/७५६७/अहमदाबाद

वित्तीय विवरणों पर प्रतिवेदन

हमने राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान-भारत ("न्यास" या "संस्था") के संबंधित वित्तीय विवरणों का लेखा परीक्षण किया है जिसमें ३१ मार्च, २०१४ का तुलन पत्र, इस तिथि को समाप्त होने वाले वर्ष के आय एवं व्यय खाते का विवरण और महत्वपूर्ण लेखा नीतियों के सारांश एवं अन्य व्याख्यात्मक टिप्पणियां शामिल हैं।

वित्तीय विवरणों हेतु प्रबंधन का दायित्व

प्रबंधन का दायित्व है कि वह इन वित्तीय विवरणों को बंबई सार्वजनिक न्यास अधिनियम, १९५०, सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, १८६० और वित्त मंत्रालय द्वारा जारी केंद्रीय स्वायत्त निकायों के लिए वित्तीय विवरण हेतु प्रस्तुतीकरण के वास्ते तैयारी हेतु दिशानिर्देशों के अनुरूप हों। इस दायित्व में उन वित्तीय विवरणों को तैयार करने व प्रस्तुत करने से संबंधित आंतरिक नियंत्रण की योजना, कार्यान्वयन एवं रखरखाव शामिल हैं, जो सामग्रीगत मिथ्याकथन से मुक्त हों, चाहे कपटपूर्ण हो या त्रुटिवश।

लेखा परीक्षकों का दायित्व

हमारा दायित्व हमारे लेखा परीक्षण के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर एक राय व्यक्त करना है। हमने अपना लेखा परीक्षण भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी लेखा परीक्षण मानकों के अनुरूप किया है। इन मानकों की पूर्ति के लिए आवश्यक है कि हम नैतिक दायित्वों का पालन करें और यह तार्किक आश्वस्ति पाने के लिए लेखा परीक्षण की योजना बनाएं कि क्या वित्तीय विवरण सामग्रीगत मिथ्याकथन से मुक्त हैं।

किसी लेखा परीक्षण में वित्तीय विवरणों में हुए प्रकटीकरण और राशियों के बारे में लेखा प्रमाण प्राप्त करने संबंधी प्रक्रियाओं को अमल में लाना सम्मिलित होता है। लेखापरीक्षकों के विवेक पर निर्भर करता है कि किन प्रक्रियाओं का चयन किया जाए, जिसमें सामग्रीगत मिथ्याकथनों, चाहे कपटपूर्ण हों या त्रुटिवश, के जोखिम मूल्यांकन भी शामिल होते हैं। इन जोखिम मूल्यांकनों में लेखापरीक्षक संस्थान की तैयारी व वित्तीय विवरणों की उचित प्रस्तुति से संबंधित आंतरिक नियंत्रण पर विचार करते हैं ताकि ऐसी लेखा प्रक्रियाएं बनाई जा सकें जो उन परिस्थितियों के अनुरूप हों। किसी लेखा परीक्षण में उपयोग किए गए लेखा सिद्धांतों की उपयुक्तता का मूल्यांकन और प्रबंधन द्वारा किए गए लेखा आगणन के औचित्य के साथ ही साथ वित्तीय विवरणों के समग्र प्रस्तुतीकरण का मूल्यांकन भी शामिल होता है।

हमें विश्वास है कि हमारे द्वारा प्राप्त लेखा प्रमाण हमारी लेखा परीक्षण राय को एक युक्तिसंगत व पर्याप्त आधार प्रदान करते हैं।

हमारी राय

हमारी राय में, हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के आधार पर वित्तीय विवरण, अधिनियम के अनुसार आवश्यक सूचनाएं यथोचित रूप में प्रदान करते हैं और भारत में सामान्यतया स्वीकृत लेखा परीक्षण सिद्धांतों के अनुरूप निम्नलिखित के बारे में एक सही व निष्पक्ष तस्वीर प्रस्तुत करते हैं :

(क) ३१ मार्च, २०१४ को न्यास के क्रियाकलापों की स्थिति के बारे मे, तुलन-पत्र के बारे में;

(ख) ३१ मार्च २०१४ को समाप्त हुए वर्ष के लिए आय और व्यय खाते के विवरण के बारे में, व्यय के ऊपर आय की अधिकता के बारे में।

अन्य कानूनी एवं नियामक आवश्यकताओं पर प्रतिवेदन

बंबई सार्वजनिक न्यास, १९५० के खंड ३३(२) के अधीन जैसा अपेक्षित है, हम आगे प्रतिवेदित करते हैं कि –

(क) खातों का प्रतिपालन नियमित रूप से और अधिनियम एवं नियमों के प्रावधानों के अनुसार किया जाता है।

(ख) प्राप्तियां एवं अदायगियां उचित एवं सही ढंग से खातों में प्रदर्शित की जाती हैं।

(ग) अधिकृत व्यक्ति की अभिरक्षा में रखे गए नकद शेष और वाउचर, लेखापरीक्षण की तिथि को, खातों के अनुरूप थे।

(घ) हमारे द्वारा अपेक्षित बहियाँ, विलेख, खाते, वाउचर और अन्य दस्तावेज एवं अभिलेख हमारे समक्ष प्रस्तुत किए गए।

(ङ) न्यास की चल संपत्तियों की एक पंजी, जो न्यासी द्वारा प्रमाणित है, को उचित ढंग से रखा जा रहा है।

(च) पूर्व लेखापरीक्षा प्रतिवेदन में ऐसी कोई त्रुटि या अशुद्धि नहीं है जिसे इसमें शामिल किया जाना है।

(छ) प्रबंधक/न्यासी हमारे सम्मुख उपस्थित हुए और हमारी अपेक्षानुसार आवश्यक सूचना दी।

(ज) न्यास की कोई संपत्ति न्यास के उद्देश्य या लक्ष्य से अलग किसी अन्य उद्देश्य या लक्ष्य के लिए प्रयोग नहीं की गईं।

(झ) एक वर्ष से अधिक से बकाया राशि रु. ५०,४७,२८४/- (सिडबी (भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक) द्वारा वित्तपोषित एमवीआईएफ (सूक्ष्म उद्यम नवप्रवर्तन निधि) के तहत वित्तीय सहायता के खाते में ५०,३३,२८४/- सहित) थी और वर्ष के दौरान बट्टेखाते में कुछ नहीं था।

(ञ) मरम्मत या निर्माण में रु. ५,००० से अधिक के व्यय की स्थिति में निविदाएं आमंत्रित की गईं।

(ट) हमें अधिनियम के खंड ३६ के प्रतिकूल अचल संपत्तियों के अन्य संक्रामण का कोई मामला नहीं दिखाई पड़ा है।

सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, १८६० के खंड १२-ई(२) के अनुरूप हम आगे यह प्रतिवेदित करते हैं कि हमें शासी निकाय की ओर से या अन्य किसी व्यक्ति की तरफ से किसी प्रकार की अनियमितता, गैरकानूनी या अनुचित व्यय, या सोसायटी से संबंधित धन या अन्य संपत्ति की रिकवरी में असफलता या इसमें चूक या धन या अन्य संपत्ति की बर्बादी या इसको क्षति पहुंचाने का कोई मामला देखने को नहीं मिला है।

वास्ते रमनलाल जी. शाह एंड कंपनी
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स
फर्म रजि. सं. १०८५१७डब्ल्यू

विवेक एस. शाह
साझीदार
सदस्यता संख्या ११२२६९
स्थान : अहमदाबाद
तिथि : 25 SEP 2014

RAMANLAL G. SHAH & CO. CHARTERED ACCOUNTANTS AHMEDABAD

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत
पंजी-सं-एफ/7412/अहमदाबाद

31 मार्च, 2014 को तुलनपत्र

	अनुसूची सं.	रुपये 31 मार्च, 2014 को		रुपये 31 मार्च,2013
आधार/पूँजीगत निधि एवं देयताएँ				
आधार/पूँजीगत निधियाँ	1		30,840,672	26,329,127
उद्दिष्ट निधियाँ	2		93,447,299	87,258,444
वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान	3		16,044,108	13,649,205
कुल			**140,332,079**	**127,236,776**
परिसम्पत्तियाँ				
अचल परिसम्पत्तियाँ	4			
सकल एकमुश्त		29,986,248		27,476,849
घटाएं : मूल्यह्रास		17,568,618		16,350,133
निवल एकमुश्त			12,417,630	11,126,716
निवेश			-	-
वर्तमान परिसम्पत्तियाँ, ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसम्पत्तियाँ	5		127,914,449	116,110,060
कुल			**140,332,079**	**127,236,776**
महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ एवं लेखा पर टिप्पणियाँ	11			

समान तिथि की हमारी रिपोर्ट के अनुसार
वास्ते **रमनलाल जी. शाह एंड कं.**
चार्टड एकाउंटेंट्स
फर्म पंजी सं. 108517W

साझेदार
विवेक एस. शाह
सदस्यता सं. 112269
स्थान : अहमदाबाद
तिथि : 25 SEP 2014

RAMANLAL G. SHAH & CO. CHARTERED ACCOUNTANTS AHMEDABAD

उक्त तुलन पत्र मेरे/हमारे अधिकतम विश्वास
के अनुसार न्यास की निधियों/देयताओं
तथा संपत्ति/परिसंपत्तियों की सही सूचना देता है।
न्यास

न्यासी

Prof. ANIL K. GUPTA
EXECUTIVE VICE - CHAIRPERSON
NATIONAL INNOVATION FOUNDATION
AHMEDABAD

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत
पंजी-सं-एफ/7412/अहमदाबाद

31 मार्च, 2014 को समाप्त वर्ष का आय व व्यय खाता

	अनुसूची सं.	रुपये 31 मार्च, 2014 को समाप्त वर्ष हेतु		रुपये 31 मार्च, 2013 को समाप्त वर्ष हेतु
आय				
अनुदान एवं सब्सिडियाँ				
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) द्वारा योजनागत अनुदान		94,900,000		101,200,000
(घटाएं : तुलनपत्र में स्थांतरित धनराशि जो गैर आवर्ती मदों में व्यय को व्यक्त करती हैं)		(4,529,234)		(2,930,678)
			90,370,766	98,269,322
अर्जित ब्याज	6		-	-
अन्य आय	7		-	-
कुल			**90,370,766**	**98,269,322**
व्यय				
स्थापना व्यय	8		16,588,094	13,015,693
आवर्ती व्यय	9		62,889,700	75,375,850
अन्य प्रशासनिक व्यय	10		7,690,645	6,599,998
मूल्यह्रास			3,220,016	3,197,883
कुल			**90,388,455**	**98,189,424**
तुलन पत्र को स्थांतरित आय के ऊपर व्यय की अधिकता			**(17,689)**	**79,898**
महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ और लेखा पर टिप्पणियाँ	11			

समान तिथि की हमारी रिपोर्ट के अनुसार
वास्ते **रमनलाल जी. शाह एंड कं.**
चार्टड एकाउंटेंट्स
फर्म पंजी सं. 108517W

RAMANLAL G. SHAH & CO. CHARTERED ACCOUNTANTS AHMEDABAD

साझेदार
विवेक एस. शाह
सदस्यता सं. 112269
स्थान : अहमदाबाद
तिथि : 25 SEP 2014

उक्त तुलन पत्र मेरे/हमारे अधिकतम विश्वास के अनुसार न्यास की निधियों/देयताओं तथा संपत्ति/परिसंपत्तियों की सही सूचना देता है।
न्यास

न्यासी

Prof. ANIL K. GUPTA
EXECUTIVE VICE - CHAIRPERSON
NATIONAL INNOVATION FOUNDATION
AHMEDABAD

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत
पंजी-सं-एफ/7412/अहमदाबाद

31 मार्च 2014 के तुलनपत्र का अंश बनने वाली अनुसूची

	रुपये 31 मार्च, 2014 को		रुपये 31 मार्च, 2013 को
अनुसूची : 1 - आधारभूत/पूँजीगत निधि :			
1 आधारभूत निधि			
पिछले तुलनपत्र के अनुसार शेष	-		-
जोड़ें: वर्ष के दौरान	-		-
		-	-
2 पूँजीगत निधि			
पिछले तुलनपत्र के अनुसार शेष		433,294	433,294
3 स्थायी परिसम्पत्तियों के लिए डीएसटी, भारत सरकार का अनुदान			
पिछले तुलनपत्र के अनुसार शेष	15,045,354		12,114,676
जोड़ें: (गैर-आवृत्ति मदों के खाते में प्राप्त अनुदान)	4,529,234		2,930,678
		19,574,588	15,045,354
4 आय एवं व्यय खाते का शेष			
पिछले तुलनपत्र के अनुसार शेष	10,850,479		10,770,581
जोड़े/ (घटाएं) : आय एवं व्यय खाते से हस्तांरित आय में अधिकता/ (घाटा)	(17,689)		79,898
		10,832,790	10,850,479
कुल		**30,840,672**	**26,329,127**

RAMANLAL G. SHAH & CO. CHARTERED ACCOUNTANTS AHMEDABAD

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत
पंजी-सं-एफ/7412/अहमदाबाद

31 मार्च 2014 के तुलनपत्र का अंश बनने वाली अनुसूची

	रुपये 31 मार्च, 2014 को		रुपये 31 मार्च, 2013 को
अनुसूची : 2 - उद्दिष्ट निधियाँ :			
उद्दिष्ट निधियाँ			
1 कपार्ट प्रदर्शनी			
क पिछले तुलनपत्र के अनुसार शेष	(142,071)		(105,697)
ख प्राप्त अनुदान	-		-
ग घटाएं : निधि के उद्देश्य हेतु व्यय/ उपयोग			
i. पूँजीगत व्यय			
अचल परिसम्पत्तियाँ	-		-
ii. राजस्व व्यय			
आवास, सम्मेलन हॉल, स्टेशनरी, मुद्रण तथा प्रदर्शनी व्यय	142,071		36,374
प्रशासनिक/ सांस्थानिक शुल्क	-		-
वेतन एवं मज़दूरी	-		-
यात्रा व्यय	-		-
कुल व्यय	142,071		36,374
कपार्ट से वसूली योग्य (क+ख-ग)		-	(142,071)
2 डीएसटी एवं केएपीएल परियोजना			
क पिछले तुलनपत्र के अनुसार शेष	(76,857)		(598,208)
ख प्राप्त अनुदान	-		-
ग अनुदान पर ब्याज	-		-
घ घटाएं : निधि के उद्देश्य हेतु व्यय/ उपयोग			
i. पूँजीगत व्यय			
अचल परिसम्पत्तियाँ	-		(521,351)
ii. राजस्व व्यय			
उपभोग योग्य एवं अन्य सामग्रियाँ	76,857		-
सूचना एवं दस्तावेजीकरण	-		-
उपरि व्यय	-		-
वेतन एवं मज़दूरी	-		-
यात्रा व्यय	-		-
कुल व्यय	76,857		(521,351)
वर्ष के अंत में कुल शेष (क+ख+ग-घ)		-	(76,857)
3 डीएसटी बीज परियोजना			
क पिछले तुलनपत्र के अनुसार शेष	(89,200)		201,439
ख प्राप्त अनुदान	-		-
ग घटाएं : निधि के उद्देश्य हेतु व्यय/ उपयोग			
i. पूँजीगत व्यय			
अचल परिसम्पत्तियाँ	-		-
ii. राजस्व व्यय			
उपभोग योग्य एवं अन्य सामग्रियाँ	-		11,460
वेतन एवं मज़दूरी	-		237,226
उपरि व्यय	-		-
यात्रा व्यय	-		41,953
कुल व्यय	-		290,639
वर्ष के अंत में कुल शेष (क+ख-ग)		(89,200)	(89,200)

अगले पृष्ठ पर जारी...

RAMANLAL G. SHAH & CO. CHARTERED ACCOUNTANTS AHMEDABAD

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत
पंजी-सं-एफ/7412/अहमदाबाद

31 मार्च 2014 के तुलनपत्र का अंश बनने वाली अनुसूची

		रुपये 31 मार्च, 2014 को		रुपये 31 मार्च, 2013 को
पिछले पृष्ठ से जारी...				
4 डीएसटी परियोजना - वेट				
क पिछले तुलनपत्र के अनुसार शेष		(109,268)		325,149
ख प्राप्त अनुदान		-		-
ग घटाएं : निधि के उद्देश्य हेतु व्यय/ उपयोग				
i. पूँजीगत व्यय		-		-
ii. राजस्व व्यय				
उपभोग योग्य एवं अन्य सामग्रियाँ		-		-
आकस्मिक व्यय		-		-
वेतन एवं मज़दूरी		-		422,968
उपरि व्यय		-		-
यात्रा व्यय		-		11,449
	कुल व्यय	-		434,417
वर्ष के अंत में कुल शेष (क+ख-ग)			(109,268)	(109,268)
5 एनएमपीबी (आयुष) परियोजना				
क पिछले तुलनपत्र के अनुसार शेष		(1,776,932)		1,027,102
ख प्राप्त अनुदान		2,350,000		-
ग घटाएं : निधि के उद्देश्य हेतु व्यय/ उपयोग				
i. पूँजीगत व्यय				
अचल परिसम्पत्तियाँ		-		-
अन्य				
ii. राजस्व व्यय				
उपभोग योग्य सामग्रियाँ		-		297,400
आकस्मिक व्यय		388,869		22,025
कार्यबल		26,000		2,237,398
उपरि व्यय		150,000		-
यात्रा व्यय		15,283		247,211
कार्यशाला		-		-
	कुल व्यय	580,152		2,804,034
वर्ष के अंत में कुल शेष (क+ख-ग)			(7,084)	(1,776,932)
6 डीएसटी परियोजना-टेकपीडिया				
क पिछले तुलनपत्र के अनुसार शेष		-		-
ख प्राप्त अनुदान		3,061,614		-
ग घटाएं : निधि के उद्देश्य हेतु व्यय/ उपयोग				
i. पूँजीगत व्यय				
अचल परिसम्पत्तियाँ		-		-
अन्य		-		-
ii. राजस्व व्यय				
संचार व आकस्मिक व्यय		-		-
कार्यबल		-		-
पोर्टल प्रबंधन		-		-
यात्रा व्यय		-		-
कार्यशाला		-		-
	कुल व्यय	-		-
वर्ष के अंत में कुल शेष (क+ख-ग)			3,061,614	-
			अगले पृष्ठ पर जारी...	

RAMANLAL G. SHAH & CO. CHARTERED ACCOUNTANTS AHMEDABAD

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत
पंजी-सं-एफ/7412/अहमदाबाद

31 मार्च 2014 के तुलनपत्र का अंश बनने वाली अनुसूची

		रुपये 31 मार्च, 2014 को		रुपये 31 मार्च, 2013 को
पिछले पृष्ठ से जारी...				
7 आईसीएमआर - वनस्पति एवं पादप निधान परियोजना				
क पिछले तुलनपत्र के अनुसार शेष		5,087,393		5,200,000
ख प्राप्त अनुदान		-		300,000
ग घटाएं : निधि के उद्देश्य हेतु व्यय/ उपयोग				
i. पूँजीगत व्यय				
अचल परिसम्पत्तियाँ		4,454,305		18,900
अन्य		-		-
ii. राजस्व व्यय				
परामर्श शुल्क		-		300,000
आकस्मिक व्यय		775,503		93,707
उपरि व्यय		-		-
यात्रा व्यय		558,005		-
	कुल व्यय	5,787,813		412,607
वर्ष के अंत में कुल शेष (क-ग)			(700,420)	5,087,393
8 आईसीएमआर- सृष्टि प्रयोगशाला परियोजना				
क पिछले तुलनपत्र के अनुसार शेष		4,652,545		-
ख प्राप्त अनुदान		-		4,652,545
ग घटाएं : निधि के उद्देश्य हेतु व्यय/ उपयोग				
i. पूँजीगत व्यय				
अचल परिसम्पत्तियाँ		4,651,604		-
अन्य		-		-
ii. राजस्व व्यय				
उपरि व्यय		-		-
	कुल व्यय	4,651,604		-
वर्ष के अंत में कुल शेष (क-ग)			941	4,652,545
8 रजत जयंती विज्ञान संचारक फैलोशिप				
क पिछले तुलनपत्र के अनुसार शेष		-		51,789
ख प्राप्त अनुदान		-		212,000
ग घटाएं : निधि के उद्देश्य हेतु व्यय/ उपयोग				
i. राजस्व व्यय		93,607		108,722
	कुल व्यय	93,607		108,722
वर्ष के अंत में कुल शेष (क+ख-ग)		(93,607)		155,067
घटाएं: डीएसटी को लौटाया गया निधि का शेष		-		155,067
शेष			(93,607)	-
9 सूक्ष्म उद्यम नवप्रवर्तन निधि - सिडबी खाता				
क पिछले तुलनपत्र के अनुसार शेष		73,268,120		67,630,016
ख निधि खातों में वर्ष के दौरान अग्रिम और निवेशों से प्राप्त आय		6,088,742		5,638,104
वर्ष के अंत में कुल शेष (क+ख)			79,356,862	73,268,120
10 नवप्रवर्तन निधि				
पिछले तुलनपत्र के अनुसार शेष		6,444,714		2,667,477
जोड़ें: वर्ष के दौरान प्राप्त राशि		408,000		
जोड़ें: वर्ष के दौरान हस्तांतरित राशि देखें (नोट1(ज) अनुसूची -11)		5,174,747		3,782,487
घटाएं: वर्ष के दौरान लगी राशि		-		5,250
			12,027,461	6,444,714
कुल			**93,447,299**	**87,258,444**

RAMANLAL G. SHAH & CO. CHARTERED ACCOUNTANTS AHMEDABAD

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत
पंजी-सं-एफ/7412/अहमदाबाद

31 मार्च 2014 के तुलनपत्र का अंश बनने वाली अनुसूची

	रुपये 31 मार्च, 2014 को		रुपये 31 मार्च, 2013 को
अनुसूची : 3 - वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान :			
प्राप्त अग्रिम			
- नवप्रवर्तक फैलोशिप निधि हेतु		6,700	6,700
विविध लेनदार			
अन्य		3,043,187	731,703
बैंक बुक ओवरड्राफ्ट			-
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, प्रेमचंदनगर - एसबी खाता सं. 724		12,871,295	12,825,958
अन्य देयताएं			
कर्मचारियों की एनपीएस कटौती	61,463		42,422
एनपीएस देय खाता	61,463		42,422
		122,926	84,844
कुल		**16,044,108**	**13,649,205**

RAMANLAL G. SHAH & CO. CHARTERED ACCOUNTANTS AHMEDABAD

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत
पंजी. सं. एफ/7412/अहमदाबाद

31 मार्च 2014 के तुलनपत्र का अंश बनने वाली अनुसूची

वित्तीय वर्ष 2013-14
अनुसूची - 4

अनुसूची : 4 - अचल परिसंपत्तियाँ	सकल एकमुश्त				मूल्यह्रास				
विवरण	4/1/2013 को शेष	वर्ष के दौरान अभिवृद्धि	वर्ष के दौरान कटौती	3/31/2014 को सकल एकमुश्त	3/31/2013 तक मूल्यह्रास	वर्ष के दौरान कटौती	वर्ष का मूल्यह्रास	3/31/2014 तक मूल्यह्रास	3/31/2014 को निवल एकमुश्त
	रु.	रु.	रु.	रु.	रु.	रु.	रु.	रु.	रु.
कंप्यूटर एवं सहायक परिसंपत्तियाँ									
कंप्यूटर	8,588,302	833,370	(1,663,875)	7,757,797	7,727,205	(1,663,342)	883,115	6,946,978	810,819
नेटवर्किंग उपकरण	547,703	593,004	-	1,140,707	521,103	-	371,762	892,865	247,842
स्कैनर	413,740	-	(49,750)	363,990	122,690	(46,147)	43,118	119,661	244,329
सॉफ्टवेयर	3,022,256	305,704	-	3,327,960	2,548,584	-	464,504	3,013,088	314,872
उपस्कर एवं जुड़नार (मेज कुर्सी इत्यादि) तथा जड स्टॉक									
उपस्कर एवं जुड़नार (मेज कुर्सी इत्यादि)	2,044,432	74,762	-	2,119,194	798,782	-	129,922	928,704	1,190,490
विद्युत संस्थापन	69,610	-	-	69,610	34,155	-	3,546	37,701	31,909
कार्यालय उपकरण									
एयरकूलर	244,604	-	(23,800)	220,804	102,004	(21,608)	21,061	101,457	119,347
बैलून	35,438	-	-	35,438	20,894	-	2,182	23,076	12,362
कैमरा	1,431,381	75,500	(180,710)	1,326,171	648,255	(172,900)	121,959	597,314	728,857
ईपीएबीएक्स सिस्टम	127,788	34,461	-	162,249	75,433	-	10,438	85,871	76,378
उपकरण	2,260,737	2,435,606	(27,000)	4,669,343	653,256	(25,948)	303,771	931,079	3,738,264
फैब लैब उपकरण	1,614,676	-	-	1,614,676	697,433	-	137,586	835,019	779,657
फैक्स मशीन	36,907	-	-	36,907	26,836	-	1,511	28,347	8,560
अग्निशामक यंत्र	13,405	5,100	-	18,505	10,762	-	779	11,541	6,964
फोटोकॉपी मशीन	505,202	-	(72,800)	432,402	404,503	(69,824)	14,659	349,338	83,064
पब्लिक एड्रेस सिस्टम	60,111	-	-	60,111	35,439	-	3,701	39,140	20,971
रेफ्रीजरेटर	39,010	-	-	39,010	19,726	-	2,893	22,619	16,391
सोनी एलसीडी	91,000	-	-	91,000	53,651	-	5,602	59,253	31,747
टेप रिकॉर्डर	41,727	-	(1,900)	39,827	28,065	(1,762)	2,028	28,331	11,496
टेलीफोन/मोबाइल उपकरण	595,144	148,814	-	743,958	243,356	-	75,091	318,447	425,511
वाहन									
एक्टिवा होंडा	44168	-	-	44,168	28760	-	2311	31,071	13,097
बजाज पल्सर	68289	-	-	68,289	44465	-	3574	48,039	20,250
होंडा सिटी	1,037,399	-	-	1,037,399	344,092	-	103996	448,088	589,311
टाटा सफारी	1,311,519	-	-	1,311,519	435,014	-	131476	566,490	745,029
टाटा इंडिका	545,341	-	-	545,341	151,332	-	59101	210,433	334,908
मोबाइल प्रदर्शनी वैन	2,686,960	22,913	-	2,709,873	574,338	-	320330	894,668	1,815,205
कुल A	**27,476,849**	**4,529,234**	**(2,019,835)**	**29,986,248**	**16,350,133**	**(2,001,531)**	**3,220,016**	**17,568,618**	**12,417,630**

RAMANLAL G. SHAH & CO. CHARTERED ACCOUNTANTS AHMEDABAD

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत
पंजी. सं. एफ/7412/अहमदाबाद

31 मार्च 2014 के तुलनपत्र का अंश बनने वाली अनुसूची

	रुपये 31 मार्च, 2014 को		रुपये 31 मार्च, 2013 को
अनुसूची 5 : - वर्तमान परिसंपत्तियाँ, ऋण, अग्रिम और अन्य परिसंपत्तियाँ :			
1 नकदी एवं बैंक शेष			
रोकड़ शेष		-	-
बैंकों में शेष			
बचत खातों में			
- कोटक महिंद्रा, वस्त्रापुर - एसबी खाता सं. 762	52,047		1,890,925
- यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, प्रेमचंदनगर - एसबी खाता सं. 724	-		-
		52,047	1,890,925
चालू खातों में			
- एक्सिस बैंक, वस्त्रापुर - खाता सं. 1548	201,500		883,660
- एक्सिस बैंक, वस्त्रापुर - खाता सं. 8099 एमवीआईएफ	2,045,084		3,616,361
- एसबीआई, आईआईएम - खाता सं. 30379920229	-		289,821
		2,246,584	4,789,842
सावधि जमा खाते में			
- रानप्र निधियों से	47,217,301		38,451,225
- एमवाईआईएफ निधियों से	63,906,302		55,798,862
		111,123,603	94,250,087
कुल		113,422,234	100,930,854
2 ऋण, अग्रिम और अन्य परिसंपत्तियाँ			
वसूली योग्य अग्रिम, नकद या वस्तु या मूल्य रूप में		855,812	1,046,283
एमवीआईएफ निधि (सिडबी) से नवप्रवर्तकों को अग्रिम		12,561,697	13,197,972
आयकर का अग्रिम भुगतान		1,074,706	934,951
बैंक से प्राप्य		-	-
कुल		14,492,215	15,179,206
कुल		**127,914,449**	**116,110,060**

RAMANLAL G. SHAH & CO. CHARTERED ACCOUNTANTS AHMEDABAD

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत
पंजी. सं. एफ/7412/अहमदाबाद

31 मार्च, 2014 को समाप्त होने वाले वर्ष
के लिए आय एवं व्यय खाते वाली अनुसूची

	रुपये 31 मार्च, 2014 को समाप्त वर्ष हेतु	रुपये 31 मार्च, 2013 को समाप्त वर्ष हेतु
अनुसूची : 6 - अर्जित ब्याज :		
भारत सरकार के बचत बांड पर 8% अर्जित	-	-
बैंकों में सावधि जमा पर ब्याज	4,878,741	3,504,611
बचत बैंक खातों पर ब्याज	94,176	276,746
अन्य से अर्जित ब्याज	22,100	-
कुल अर्जित ब्याज	4,995,017	3,781,357
घटाएं: नवप्रवर्तन निधि में हस्तांतरित	(4,995,017)	(3,781,357)
कुल	**-**	**-**
अनुसूची : 7 - अन्य आय :		
उद्दिष्ट परियोजनाओं से प्रशासनिक उपरिव्यय वसूली	150,000	-
विविध आय	-	-
अचल परिसंपत्ति की बिक्री से लाभ	29,730	-
	179,730	-
घटाएं: नवप्रवर्तन निधि में हस्तांतरित	(179,730)	-
कुल	**-**	**-**

RAMANLAL G. SHAH & CO. CHARTERED ACCOUNTANTS AHMEDABAD

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत
पंजी. सं. एफ/7412/अहमदाबाद

31 मार्च, 2014 को समाप्त होने वाले वर्ष
के लिए आय एवं व्यय खाते वाली अनुसूची

	रुपये 31 मार्च, 2014 को समाप्त वर्ष हेतु		रुपये 31 मार्च, 2013 को समाप्त वर्ष हेतु
अनुसूची : 8 - स्थापना व्यय :			
मूल वेतन		3,228,176	2,745,021
परामर्श शुल्क		588,355	1,257,758
संविदात्मक भुगतान		2,077,268	2,899,081
मंहगाई भत्ता		2,974,375	1,937,345
नियोक्ता का एनपीएस में अंशदान		620,248	468,251
फैलोशिप		5,888,550	2,738,963
मकान किराया भत्ता		645,622	549,004
परिवहन भत्ता		565,500	420,270
कुल		**16,588,094**	**13,015,693**
अनुसूची : 9 - आवर्ती व्यय :			
1 व्यवसाय विकास			
लाइसेंसीकरण के लिए विज्ञापन	-		160,003
मानदंड निर्धारण एवं बाज़ार शोध	2,419,819		274,525
प्रदर्शन (व्यवसाय विकास)	611,819		945,774
ऑनलाइन कैटालॉग	67,972		54,699
पैकेजिंग, लेवलिंग व ब्रांडिंग	14,663		-
व्यवसाय योजनाओं में विद्यार्थियों की संलग्नता	618,814		520,005
यात्रा (व्यवसाय विकास)	932,170		1,236,686
		4,665,257	**3,191,692**
2 सूचना प्रसार एवं सामाजिक प्रसार			
नवप्रवर्तन प्रदर्शनी	4,937,544		-
प्रदर्शन (डीएनएसडी)	1,072,667		660,578
किसानों/मीडिया/कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से व्यवहारों का प्रस	582,781		3,061,848
प्रदर्शनियाँ एवं नवप्रवर्तन प्रदर्शनी	1,486,923		3,013,039
नवप्रवर्तन प्रसार केंद्र	677,442		976,359
मुद्रण एवं प्रकाशन (डीएएसडी)	168,167		2,622,898
यात्रा (सूचना प्रसार)	552,086		666,242
कार्यशालाएँ/बैठकें (प्रसार)	1,800,000		-
		11,277,610	**11,000,964**
3 बौद्धिक संपदा अधिकार एवं कानून			
विशेषज्ञ/परामर्शदाता समिति बैठक (बौद्धिक संपदा अधिकार)	-		1,716
राष्ट्रीय पेटेंट आवेदनों को फ़ाइल करना	1,897,512		2,337,869
ट्रेडमार्क एवं भौगोलिक अनुप्रयोगों को फ़ाइल करना	45,700		-
पीसीटी अनुप्रयोग	92,700		1,072,985
यात्रा (बौद्धिक संपदा अधिकार)	102,097		62,618
		2,138,009	**3,475,188**

अगले पृष्ठ पर जारी...

RAMANLAL G. SHAH & CO. CHARTERED ACCOUNTANTS AHMEDABAD

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत
पंजी. सं. एफ/7412/अहमदाबाद

31 मार्च, 2014 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाते वाली अनुसूची

	रुपये 31 मार्च, 2014 को समाप्त वर्ष हेतु		रुपये 31 मार्च, 2013 को समाप्त वर्ष हेतु
पिछले पृष्ठ से जारी...			
4 सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) एवं डेटाबेस			
कंप्यूटर रखरखाव एवं अपग्रेडेशन	308,870		111,708
डेटाबेस एवं सॉफ़्टवेयर विकास, प्रूफ़रीडिंग	1,365,383		1,222,621
इंटरनेट	437,921		356,925
ऑनलाइन अनुप्रयोग (उद्भवन, एमआईएस, ट्रेव्क स्टेटस)	8,000		90,220
यात्रा (आईटी)	18,319		9,465
वेबसाइट	161,091		86,843
		2,299,584	**1,877,782**
5 खोज एवं दस्तावेजीकरण			
विज्ञापन - क्षेत्रीय एवं राष्ट्रीय	2,572,208		4,536,652
सहयोगियों को	4,422,650		3,500,583
विशेषज्ञ/परामर्शदाता बैठकें (खोज एवं दस्तावेजीकरण)	37,413		60,130
इग्नाइट (खोज एवं दस्तावेजीकरण)	1,339,054		1,230,050
नमूना/प्रोटोटाइप संग्रह एवं पहचानना	1,047,873		697,060
यात्रा (खोज एवं दस्तावेजीकरण)	1,297,750		1,895,672
सत्यापन/विस्तृत दस्तावेजीकरण	3,542,608		2,204,319
कार्यशालाएँ एवं प्रकाशन	5,073,472		2,296,349
		19,333,028	**16,420,815**
6 मूल्य परिवर्धन और शोध एवं विकास (वार्ड)			
विशेषज्ञ/परामर्शदाता बैठकें (वार्ड)	684,969		1,616,809
प्रायर आर्ट सर्च, नवप्रवर्तनों का प्रमाणीकरण	14,024,704		9,144,130
प्रोटोटाइप/उत्पाद परीक्षण	1,066,500		4,123,070
यात्रा (वार्ड)	1,836,141		2,408,062
मूल्य परिवर्धन एवं उत्पाद विकास	5,722,648		7,884,522
		23,334,962	**25,176,593**
7 प्रौद्योगिकी अधिग्रहण निधि के अंतर्गत अधिग्रहित प्रौद्योगिकी		**-**	**875,894**
8 पुरस्कार कार्यक्रम व्यय			
आवास	-		884,153
खान-पान (कैटरिंग)	-		495,979
सूचना प्रसार	-		108,763
प्रदर्शनी व अन्य व्यय	-		2,481,684
फ़ोटोग्राफी	-		19,300
पुरस्कार	(158,750)		7,845,000
स्टेशनरी व प्रिंटिंग	-		21,070
यात्रा व परिवहन	-		1,193,405
ट्रॉफी	-		303,458
		(158,750)	**13,352,812**
9 अचल परिसंपत्तियों की बिक्री में हानि		**-**	**4,110**
कुल		**62,889,700**	**75,375,850**

RAMANLAL G. SHAH & CO. CHARTERED ACCOUNTANTS AHMEDABAD

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत
पंजी. सं. एफ/7412/अहमदाबाद

31 मार्च, 2014 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाते वाली अनुसूची

	रुपये 31 मार्च, 2014 को समाप्त वर्ष हेतु		रुपये 31 मार्च, 2013 को समाप्त वर्ष हेतु
अनुसूची 10 : - अन्य प्रशासनिक व्यय :			
अंकेक्षकों की फीस			
वैधानिक अंकेक्षण फीस		30,000	88,204
आंतरिक एवं समवर्ती अंकेक्षक फीस	196,630		
अन्य प्रमाणन फीस	19,102	215,732	-
बैंक शुल्क		4,105	5,268
भवन मरम्मत शुल्क		1,289,197	-
वाहन खर्च		48,832	25,106
विद्युत एवं ऊर्जा		220,252	260,838
जी.सी. बैठक खर्च		284,190	230,489
बीमा खर्च		114,518	117,118
कार्यालय खर्च		543,267	354,371
डाक खर्च		226,147	323,697
मुद्रण एवं स्टेशनरी		991,591	652,261
नियुक्ति खर्च		827,403	1,146,074
किराया, रेट एवं कर		1,884,959	2,634,376
मरम्मत एवं रखरखाव		154,066	152,457
सुरक्षा खर्च		522,769	269,525
टेलीफोन एवं संचार शुल्क		64,442	59,737
यात्रा खर्च		5,999	123,209
वाहन चलाने एवं रखरखाव में खर्च		263,176	157,268
कुल		**7,690,645**	**6,599,998**

RAMANLAL S. SHAH & CO. CHARTERED ACCOUNTANTS AHMEDABAD

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत
पंजी. सं. एफ/7412/अहमदाबाद

वित्तीय वर्ष 2013-2014

अग्रिम खाता एमवीआईएफ परियोजनाएँ		
	रु.	**रु.**
उत्तर पूर्व क्षेत्र		
सुपारी छीलने का यंत्र	7500	
बांस की खपच्ची/पट्टी बनाने का यंत्र	5028	
समन्वयन एजेंसी के पास पड़ी धनराशि	5622	
मूगा रीलिंग मशीन	20000	
अनार छीलने का यंत्र	12000	50150
उत्तर क्षेत्र		
पटाखे जलाने का उपाय	7000	
समन्वयन एजेंसी के पास पड़ी धनराशि	15480	
औषधीय पौधों की बढ़त का उपाय	162407	
एचएनपी-प्रदर्शन प्रोत्साहक, पेट्रोल इंजन के लिए - हरिनार	141767	
संशोधित सौर चूल्हा	5047	
बहफसली थ्रेसर	884931	
अनेक बीज बोने वाली सीडड्रिल	385268	
स्टोव के लिए सेफ्टी वाल्व	16000	
खाई खोदने की मशीन	1093480	2711380
पश्चिम क्षेत्र		
साइकिल कुदाल	15000	
स्वास्थ्य लाभ हेतु कुर्सी	37390	
मिट्टी कूल - मिट्टी निर्मित उत्पाद	1991	
परेश पांचाल- अगरबत्ती बनाने की मशीन	300000	
स्टैंसिल कटिंग उपाय - नाजिम शेख	170100	
गन्ना रोटेटर	47486	
समन्वयन एजेंसी के पास पड़ी धनराशि	-57181	514786
शेष आगे...		**3276316**

RAMANLAL G. SHAH & CO. CHARTERED ACCOUNTANTS AHMEDABAD

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत
पंजी. सं. एफ/7412/अहमदाबाद

वित्तीय वर्ष 2013-2014

अग्रिम खाता एमवीआईएफ परियोजनाएँ		
	रु.	**रु.**
पिछला शेष...		**3276316**
दक्षिण क्षेत्र		
सेवा (बहद्देशीय खाना बनाने का बरतन - अब्दुल रज्जाक)	42150	42150
रानप्र की सीधी निगरानी वाली परियोजनाएँ		
बाँस से अगरबत्ती की डंडी बनाने की मशीन	300000	
भगवान सिंह डांगी- रीपर विनरोवर	300000	
बी. मोहनलाल - जलीय रिवर्सिबल रिडक्शन गीयरबॉक्स	730000	
बोममगनी मल्लेश- इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के लिए रिमोट	150000	
क्लीयर बनाना एल्कली - बसंत शर्मा	96050	
सी.वी.राजू- हैंड (HAnd) से कुछ भी संभव	455040	
दादाजी खोबरागड़े - डी.आर.के 2008 धान की किस्म	300000	
दीपक भराली - डिज़ायन निर्माण यंत्र	1065000	
निदेशक एसएमआईटी - अजूबा ट्यूब लाइट फ्रेम	182032	
डीएन वेंकट- कई तरह के पेड़ों पर चढ़ने में सहायक उपकरण	370000	
डॉ. के.एल.राव - हनी बी आन्ध्र प्रदेश	9000	
जी चंद्रशेखर- पासीफ्लोरा फोएतिदा (झूमका लता फूल)	360000	
हमा शौचालय क्लीनर - मो. मोतीन अहमद	24000	
इमली तोषी नामो - बहउपयोगी हस्तमुक्त हेलमेट का अग्रभाग	13500	
लोहे की जाली बनाने का यंत्र - एन. इन्द्र कुमार सिंह	90000	
जय प्रकाश सिंह - गेहूँ की किस्में	100000	
जयदीप मण्डल	565000	
जयप्रकाश - ऊर्जा किफायती स्टोव	300000	
मल्लेशम - लक्ष्मी अस् यंत्र	367534	
मो. फज़लूल हक - धान का थ्रेसर	804075	
मुजीब खान - विकलांगों के लिए संशोधित कार	60000	
प्रेम सिंह सैनी - फोन चालित स्विच	200000	
राज कुमार राठौर - रिचा 2000	300000	
रामा शंकर शर्मा - संशोधित हैण्डपम्प	37000	
शैलेंद्र रखेचा- एनिमेशन युक्त टी-शर्ट	185000	
गन्ने की आँख निकालने का यंत्र-रोशनलाल विश्वकर्मा	900000	
तुलसी ग्रोथ प्रमोटर	200000	
उमेश चंद शर्मा- इंटरलॉकिंग ईंटें	400000	
यलो फरियर टेक्नो. प्रा. लि.-इंडियन टी मेकिंग	210000	
ऑगस्टीन थॉमस- इलेक्ट्रो टायर रिथ्रेडिंग मशीन	100000	
ज्ञान सेल - जम्मू कश्मीर	70000	9243231
कुल		**12561697**

RAMANLAL G. SHAH & CO. CHARTERED ACCOUNTANTS AHMEDABAD

अनुसूची 9सी
(नियम 32 देखें)

01-04-2013 से 31-03-2014 तक की अवधि के लिए अंशदान अधीन आय विवरण

	सार्वजनिक न्यास का नाम :	**राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान-भारत** बंगला नं. 1, सैटेलाइट सेंटर, सैटेलाइट कॉम्पलेक्स, प्रेमचंदनगर रोड, जोधपुर टेकरा, सैटेलाइट, अहमदाबाद - 380015	
	पंजीकरण सं.	एफ/7412/अहमदाबाद	
			रुपये
	सकल वार्षिक आय		
	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) द्वारा योजनागत अनुदान	94,900,000	
	ब्याज से अर्जित आय	11,083,759	
	कुल सकल वार्षिक आय		105,983,759
	उस आय का विवरण जो अनुच्छेद 58 नियम 32 के तहत अंशदान के प्रभार्य नहीं है:		
(i)	अन्य सार्वजनिक न्यासों व धर्मदास से वर्ष के दौरान प्राप्त दान		
(ii)	सरकार और स्थानीय प्राधिकरणों से प्राप्त अनुदान	94,900,000	
(iii)	ऋणशोधन या मूल्यह्रास निधि पर ब्याज		
(iv)	शिक्षा के उद्देश्य से खर्च राशि	90,388,455	
(v)	चिकित्सीय राहत कार्य के उद्देश्य से खर्च राशि		
(vi)	पशुओं की चिकित्सा के लिए खर्च राशि		
(vii)	अकाल, सूखा, बाढ़, आग या अन्य प्राकृतिक विपत्ति के कारण उत्पन्न संकट से राहत के लिए प्राप्त दान से होने वाला व्यय।		
(viii)	कृषि उद्देश्य हेतु प्रयुक्त भूमि से हुई आय में से कटौती		
(क)	भू राजस्व और स्थानीय निधियाँ/उपकर		
(ख)	बड़े भूस्वामी को देय किराया		
(ग)	उत्पादन लागत, यदि न्यास द्वारा खेती की जा रही हो		
(ix)	गैर-कृषि उद्देश्य हेतु प्रयुक्त भूमि से हुई आय में से कटौती		
(क)	मूल्यांकन, उपकर और अन्य सरकारी या निगम के कर		
(ख)	बड़े भूस्वामी को देय प्रत्यक्ष किराया		
(ग)	बीमा किश्त		
(घ)	भवनों के कुल किराए का 10 प्रतिशत मरम्मत में		
(ङ)	संग्रहण लागत, किराए पर दिए गए भवनों के कुल किराए का 4 प्रतिशत		
(x)	प्रतिभूति स्टॉक से आय या प्राप्तियों की संग्रहण लागत, ऐसी आय का 1 प्रतिशत		
(xi)	अंशदान अधीन अनुमानित सकल वार्षिक किराए के 10 प्रतिशत के हिसाब से, ऐसे भवन जो किराए पर न दिए गए हों या उनसे कोई आय न होती हो, की मरम्मत के लिए कटौती		
	कुल आय जो अंशदान के प्रभार्य नहीं है।		105,983,759
	सकल वार्षिक आय जो अंशदान के प्रभार्य है		**0**

कृते राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान

न्यासी

Prof. ANIL K. GUPTA
EXECUTIVE VICE - CHAIRPERSON
NATIONAL INNOVATION FOUNDATION
AHMEDABAD

स्थान : अहमदाबाद
तिथि : 25 Sep. 2014

समान तिथि की हमारी रिपोर्ट के अनुसार
वास्ते **रमनलाल जी. शाह एड क.**
चार्टड एकाउंटेंट्स
फर्म पजी स. 108517W

साझेदार
विवेक एस. शाह
सदस्यता सं. 112269

25 SEP 2014

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत

अनुसूची : ११ - महत्वपूर्ण लेखा नीतियां एवं लेखा टिप्पणियां :

१. महत्वपूर्ण लेखा नीतियां :

क) लेखा का आधार

वित्तीय विवरण ऐतिहासिक लागत सम्मेलन के तहत लेखा के प्रोद्भवन आधार पर, भारत में लेखा के सामान्यतः स्वीकृत सिद्धांतों ('इंडियन जीएएपी') के अनुरूप, यथायोग्य ढंग से, और बंबई सार्वजनिक न्यास अधिनियम, १९५० के प्रावधानों के अनुसार और वित्त मंत्रालय द्वारा जारी केन्द्रीय स्वायतशासी निकायों के लेखा संबंधी दिशा निर्देशों के अनुरूप तैयार किए गए हैं। लेखा नीतियों पर प्रतिष्ठान द्वारा निरंतर अमल किया गया है और लेखा नीतियां, अन्यत्र संदर्भित नहीं, भारत में लेखा के सामान्यतः स्वीकृत सिद्धांतों के अनुरूप हैं।

ख) राजस्व मान्यता

सभी आय और व्यय की पहचान, विशिष्ट एवं सशर्त अनुदानों को छोड़कर, प्रोद्भवन आधार पर की गयी है। ऐसे अनुदान की खर्च नहीं की गयी राशि दाता संगठन के निर्देशों के अनुसार वापस या पुनः निर्दिष्ट की जानी होती है। उसी अनुसार खर्च नहीं की गयी राशि को तुलन पत्र की तिथि पर देयता में प्रदर्शित किया जाता है। सरकारी अनुदान/ सब्सिडियों का उगाही आधार पर लेखाकरण होता है।

ग) अचल परिसम्पत्तियां और अमूर्त परिसम्पत्तियां

क. अचल परिसम्पत्तियों को संचित मूल्यह्रास घटाकर लागत पर अभिव्यक्त किया जाता है। लागत में परिसम्पत्ति को इसके निर्दिष्ट उपयोग हेतु इसकी कार्यकारी स्थिति में लाने के लिए आवश्यक सभी व्यय शामिल होते हैं। अचल परिसम्पत्तियों, जो अनुदान से प्राप्त हुई हैं, को अनुसूची २ में अनुदान के उपयोग के रूप में संबंधित उद्दिष्ट निधियों में प्रदर्शित किया जाता है।

त. चल विनिमय दर पर किसी प्रकार की हानि या प्राप्ति, जो स्थायी परिसम्पत्ति को प्रभावित करती हो, को स्थायी परिसम्पत्तियों की लागत में समायोजित किया जाता है।

घ) मूल्यह्रास एवं परिशोधन

मूल्यह्रास को मूल्यह्रासित मूल्य (डब्ल्यूडीवी) पर आयकर नियमों, १९६२ के अनुरूप अनुलग्नक –। में निर्धारित ढंग से और दरों पर उपलब्ध कराया जाता है।

ङ) सरकार से प्राप्त योजना/गैर-योजना अनुदान

वर्ष के दौरान प्राप्त योजना अनुदान राजस्व खाते में जमा होते हैं, सिवाय इसके कि वर्ष के दौरान पूंजीगत परिसंपत्तियों के अधिग्रहण के लिए प्रयुक्त अनुदानों को संबंधित "पूंजीगत निधि" में जमा किया जाता है।

च) उद्दिष्ट निधियां

विशिष्ट परियोजनाओं के लिए प्राप्त निधियां/अनुदान अलग खाते में जमा होते हैं और इनका उपयोग संबंधित निधि/अनुदान खातों में नामे भी होता है। इन निधियों/अनुदानों का शेष चालू परियोजनाओं पर अभी भी अदत्त धनराशियों को दिखाता है।

छ) नवप्रवर्तन निधि

वर्ष के दौरान अर्जित ब्याज को नवप्रवर्तन निधि में जमा किया गया है।

ज) फैलोशिप और वज़ीफ़ा

प्रायोजित फैलोशिप और वज़ीफ़े का प्रायोजित परियोजना निधि/अनुदान पर लेखाकरण किया जाता है। संस्थान की निधियों के संवितरित फैलोशिप और वज़ीफ़े राजस्व व्यय के रूप में देखे जाते हैं और इन्हें "स्थापना व्यय" में नामे किया जाता है।

झ) प्रौद्योगिकी अधिग्रहण पर व्यय

नवप्रवर्तकों से नवप्रवर्तित उत्पादों के अधिकार, इन उत्पादों को कम लागत या बिना किसी लागत के आम लोगों को उपलब्ध कराने हेतु, अधिगृहीत करने के लिए किए गए भुगतानों को "प्रौद्योगिकी अधिग्रहण निधि के तहत अधिग्रहीत प्रौद्योगिकी" के रूप में आवर्ती व्यय की तरह भुगतान के वर्ष में राजस्व लेखा में प्रभारित किया जाता है।

ञ) निवेश

निवेशों को लागत पर व्यक्त किया जाता है।

ट) सेवानिवृत्ति और अन्य कर्मचारी लाभ

प्रतिष्ठान ने कर्मचारियों को भुगतान योग्य किसी भी प्रकार के सेवानिवृत्ति लाभों को सृजित नहीं किया है। सेवानिवृत्ति लाभों का लेखाकरण, कर्मचारियों को जब कभी वे देय एवं भुगतान योग्य हों, के लिए किया जाता है।

RAMANLAL G. SHAH & CO. CHARTERED ACCOUNTANTS AHMEDABAD

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत

अनुसूची : ११ - महत्वपूर्ण लेखा नीतियां एवं लेखा टिप्पणियां :

ठ) कराधान

आयकर अधिनियम, १९६१ के प्रावधानों अनुरूप आयकर प्रावधान लागू किए जाते हैं।

ड) विदेशी मुद्रा का लेन-देन

विदेशी मुद्रा में किए गए लेन-देनों का लेखाकरण लेन-देन की तिथि को विनिमय दर के आधार पर किया जाता है।

२. लेखा टिप्पणियां :

क) न्यासियों की राय में वर्तमान परिसम्पत्तियां, ऋण और अग्रिम सामान्य स्थिति में नकदीकरण पर एक मूल्य रखते हैं, जोकि कम से कम वह धनराशि है जिसे वे तुलनपत्र में व्यक्त करते हैं।

ख) न्यासियों की राय में तुलनपत्र की तिथि को कोई भी आकस्मिक देयता नहीं है।

ग) नवप्रवर्तकों को दिए गए ऋणों एवं अग्रिमों का शेष, पुष्टि/ समाधेयता और आवश्यक समायोजनों, यदि कोई हों, के अधीन होता है, जिन्हें जिस वर्ष उनका निपटारा होता है उसमें आगे ले जाया जाता है।

घ) कराधान

यह देखते हुए कि आयकर अधिनियम १९६१ के तहत कोई भी कर योग्य आय नहीं है, आयकर के कोई भी प्रावधान आवश्यक नहीं समझे गए हैं।

ङ) निष्पादित की जाने वाली पूंजीगत संविदाओं की अनुमानित धनराशि रु. -कोई नहीं-

अनुसूची-१ से ११ को ३१ मार्च, २०१४ के तुलनपत्र एवं समान तिथि को समाप्त हुए वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाते के अभिन्न अंग के रूप में संलग्न किया गया है।

समान तिथि की हमारी रिपोर्ट के अनुसार
वास्ते रमनलाल जी. शाह एंड कंपनी
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स
फर्म रजि. सं. १०८५१७ डब्ल्यू

Vivek S. Shah

विवेक एस. शाह
साझीदार
सदस्यता संख्या ११२२६९
स्थान : अहमदाबाद
तिथि :
25 SEP 2014

RAMANLAL G. SHAH & CO. CHARTERED ACCOUNTANTS AHMEDABAD

न्यासी

Prof. ANIL K. GUPTA
EXECUTIVE VICE - CHAIRPERSON
NATIONAL INNOVATION FOUNDATION
AHMEDABAD

स्थान : अहमदाबाद

तिथि : 25 Sep. 2014

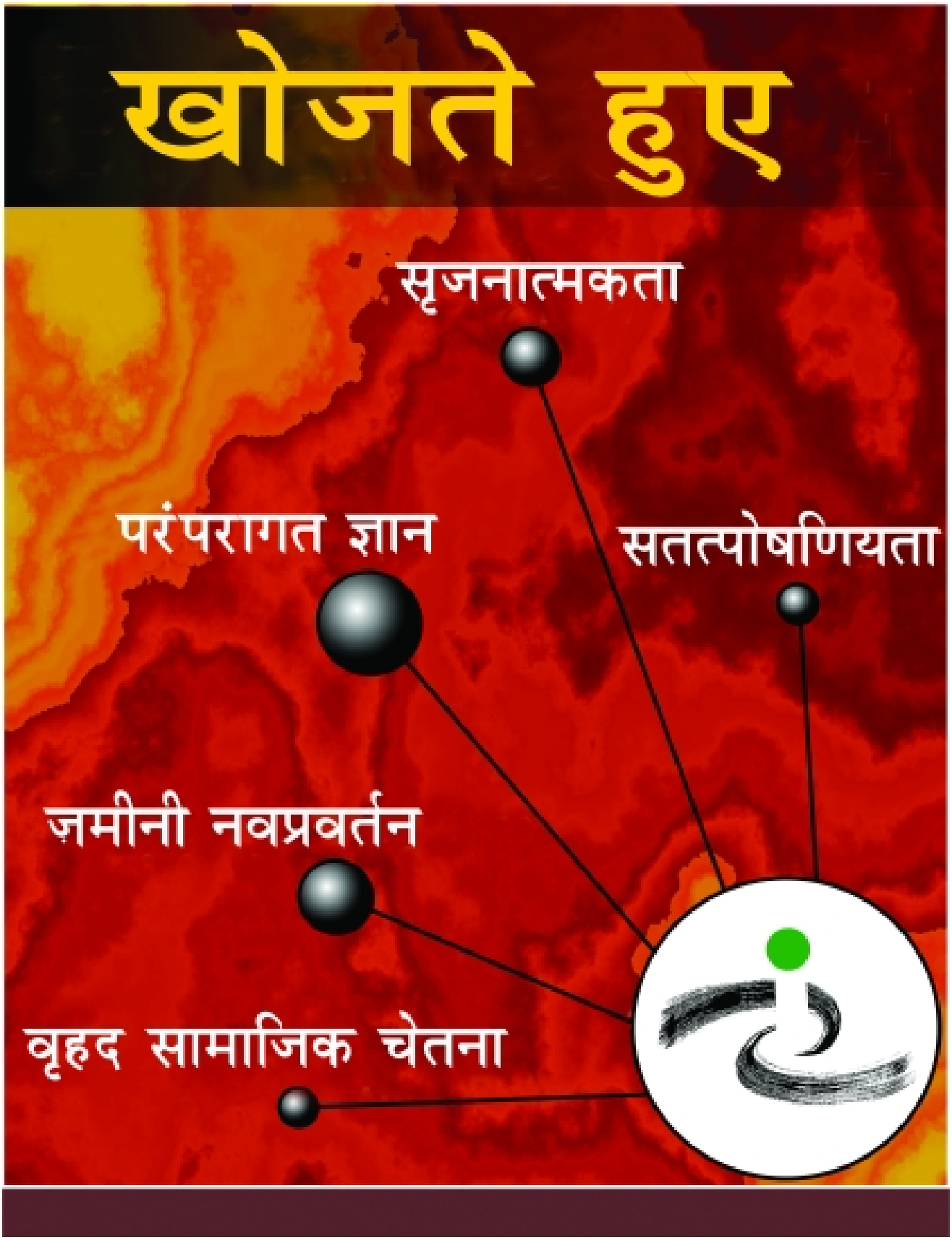
खोजते हुए
सृजनात्मकता
परंपरागत ज्ञान
सतत्पोषणियता
ज़मीनी नवप्रवर्तन
वृहद सामाजिक चेतना

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान – भारत
सेटेलाईट कॉम्पलेक्स, प्रेमचंदनगर रोड,
अहमदाबाद – 380015, गुजरात